दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 72
कोटद्वार गुरूवार
6 जुलाई 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं

दैनिक जयन्त

www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

गोपीनाथ मंदिर पर मंडरा रहा खतरा! शिवलिंग की जलेरी में हुआ धंसाव, गुंबद भी हो रहा क्षतिग्रस्त

गोपेश्वर(चमोली) । प्राचीन गोपीनाथ मंदिर के गर्भगृह में पानी की निकासी बाधित होने से इसका प्रतिकूल प्रभाव शिवलिंग की जलेरी पर पड़ रहा है। मंदिर की जलेरी अपने मूल स्थान से नीचे की ओर धंस रही है। साथ ही मंदिर के शीर्ष भाग में स्थापित गुंबद में भी क्षतिग्रस्त हो रहा है और मंदिर का दक्षिण भाग झुक रहा है जिससे भविष्य में मंदिर को खतरा हो सकता है। हक-हकूकधारी व स्थानीय लोगों ने गोपीनाथ मंदिर के जीणोद्धार की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

जिलाधिकारी से मिले हक-हकूकधारी और स्थानीय लोगों ने कहा कि मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग की जलेरी अपने मूल स्थान से नीचे की ओर धंस रही है। पुरातत्व विभाग की ओर से पूर्व से यहां मंदिर परिसर में निर्माण कार्य किए जा रहे रहे हैं वे उच्च अधिकारियों की देखरेख में नहीं हो रहे हैं जिससे अनुरक्षण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। साथ ही मंदिर परिसर में ऐसे निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं जो पुरातात्विक दृष्टिकोण से सही नहीं है।उन्होंने मंदिर परिसर में स्थापित त्रिशूल के संरक्षण व गोपीनाथ मंदिर के संरक्षण के लिए पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञ पुरातत्वविदों का पैनल बनाकर संयुक्त निरीक्षण कराने की मांग की।

मस्ताड़ी गांव में बारिश के बाद खौफनाक हुए हालात, बड़ी हो रहीं दरारें

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में बारिश में घरों से पानी आने और दीवारों में दरारें पड़ने से बाड़ागड्डी पट्टी के मस्ताड़ी गांव में हालात खौफनाक हो गए हैं। गांव के बीच में बनी 20 मीटर की दीवार भी धीरे-धीरे खिसकने लगी है। हल्की-सी बारिश से भी ग्रामीण दहशत में आ जाते हैं।ग्राम प्रधान सत्यनारायण सेमवाल ने बताया कि तेज बारिश के दौरान घरों के भीतर से पानी निकल रहा है। घरों और आंगन में पड़ी दरारें मोटी होती जा रही हैं। ग्रामीण इन दरारों पर सीमेंट भर रहे हैं, लेकिन वह भी टूट जा रही है। सेमवाल ने बताया कि गांव के बीचोंबीच बनी करीब 20 मीटर दीवार खिसक रही है।

अगर यह दीवार टूटती है तो इससे ऊपर और नीचे बने करीब 12 घरों को खतरा हो जाएगा। इसमें तीन भवन ऐसे हैं, जिसमें चार-चार परिवार एक साथ निवास करते हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल का कहना है कि पूर्व में गांव का भूगर्भीय सर्वे करवाया गया था। नायब तहसीलदार निरीक्षण के लिए मौके पर गए हैं। उनकी रिपोर्ट आने के बाद दोबारा भूगर्भीय सर्वे के लिए शासन को पत्र भेजा जाएगा।

नायब तहसीलदार सुरेश सेमवाल ने कहा कि मस्ताड़ी गांव में घरों के अंदर जमीन से पानी निकलने की समस्या है। इसके लिए दिसंबर माह में भी एक निरीक्षण किया गया था। इसमें घरों के अंदर से पानी की निकलने की समस्या सामने आई थी।

इस संबंध में उपजिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजी गई है। वहीं इस रिपोर्ट के बाद भूगर्भीय वैज्ञानिकों को सर्वे के लिए प्रशासन को पत्र भेजा गया है।ग्राम प्रधान सत्यनारायण सेमवाल ने कहा कि शासन-प्रशासन को गांव की सुरक्षा के लिए जल्द ही कोई कदम उठाना चाहिए। थोड़ी सी बारिश में भी लोगों में दहशत हो जाती है। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द गांव की सुरक्षा के लिए कदम न उठाए गए तो वह गांव के मंदिर में भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे।

हाथी पर्वत पर हुआ भूस्खलन, तेज आवाज के साथ पहाड़ी से गिरा मलबा, दहशत में आए जोशीमठ के लोग

जोशीमठ(चमोली) । भारी बारिश से मंगलवार रात को हाथी पर्वत पर भारी भूस्खलन हुआ जिससे जोशीमठ के लोग दहशत में आ गए। लोगों ने जागकर रात काटी। वहीं भूस्खलन के कारण पानी के साथ मलबा बदरीनाथ हाईवे पर आ गया और वह बंद हो गया। मंगलवार रात को क्षेत्र में तेज बारिश शुरू हुई। आधी रात को जोशीमठ के मारवाड़ी वार्ड के सामने हाथी पर्वत पर भारी भूस्खलन हो गया। तेज आवाज के साथ पहाड़ी से पानी के साथ मलबा बदरीनाथ हाईवे पर आने से मारवाड़ी क्षेत्र के लोग दहशत में आ गए।रात में अंधेरा होने के कारण लोगों को सही स्थिति का पता नहीं चल पाया जिससे लोग रातभर जागते रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से ग्रामीण की मौत

बागेश्वर। कपकोट पुलिस क्षेत्र के अंतर्गत लीती गांव निवासी एक व्यक्ति की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। मंगलवार को वह बकरियों और भेड़ों को लेकर जंगल गया था। लोधुरा के जंगल में हादसा हो गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लिया। बुधवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। तहसीलदार कपकोट देवेंद्र लोहनी से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को लीती निवासी रमेश सिंह(45) पुत्र मंगल सिंह अपने भेड़-बकरियों को चुगाने जंगल में गए थे।

भूस्खलन से अवरुद्ध 179 सड़कों में से 52 सड़कें खोलीं : महाराज

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मानसून सीजन को लेकर लोक निर्माण विभाग ने प्रभावी कार्य योजना तैयार की है। भारी वर्षा व भूस्खलन के कारण अवरुद्ध 179 सड़कों में से अभी तक 52 सड़कों को यातायात के लिए खोल दिया गया है। सड़कों को खोलने के लिए कुल 468 जेसीबी, पोकलेन, चेन डोजर, व्हीललोडर, व्हील डोजर आदि मशीनों को चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर तैनात किया गया है। इन मशीनों में एआईएस मॉडल जीपीएस लगाया गया है, जिससे उनके मूवमेंट की सूचना ऑनलाइन उपलब्ध हो सके।

उक्त बात प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने

◆मानसून के दौरान विभागीय फील्ड अधिकारी दूरभाष पर उपलब्ध रहें
◆सड़कों को खोलने के लिए 468 जेसीबी, पोकलेन, चेन डोजर, व्हीललोडर, व्हील डोजर तैनात

मानसून सीजन को लेकर बुधवार को प्रमुख अभियंता कार्यालय, लोक निर्माण विभाग, यमुना कॉलोनी स्थित भवन में लोक निर्माण विभाग की तैयारियों को लेकर हुई एक बैठक के दौरान कही। उन्होंने मानसून के दौरान समस्त विभागीय फील्ड अधिकारियों को दूरभाष पर उपलब्ध रहने को कहा। उन्होंने

लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

पहाड़ी क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति का आंकलन करने के साथ-साथ भूस्खलन से अवरुद्ध सड़कों से मलबा हटाने के प्रबंधन की भी विभागीय अधिकारियों से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लोक निर्माण मंत्री श्री महाराज ने बताया कि प्रदेश में कुल 8436 राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग, ग्रामीण मार्ग और हल्के वाहन मार्गों पर मानसून सीजन आपदा प्रबंधन हेतु कार्य योजना बनाकर जेसीबी, पोकलेन, चेन डोजर, व्हीललोडर, व्हील डोजर, ट्रक एवं टिप्पर यूटिलिटी वाहन आदि की सूचना तथा समस्त फील्ड अभियंताओं व ऑपरेटरों के दूरभाष नंबर इस हेतु सम्मिलित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत विभिन्न खंडों द्वारा विभागीय एवं निजी श्रमिकों तथा उपलब्ध मशीनों के माध्यम से मार्गों पर अप्रैल माह से जून 2023 तक 7140 नालियों की साफ-सफाई का उचित प्रबंध किया गया है। बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि श्रीनगर से आते हुए तोता घाटी के पास अक्सर मार्ग अवरुद्ध हो जाता है जिसका पता बाद में चलता है। ऐसी स्थिति को देखते हुए पहले ही डायवर्जन के समीप इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन या कोई सिस्टम ऐसा लगाना चाहिए जिससे मार्ग अवरुद्ध होने का पता लोगों को पहले ही चल जाए। उन्होंने कहा कि मानसून सीजन में फ्लाई ओवरों से पानी की निकासी के भी समुचित प्रबंध होने चाहिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव पंकज पांडे, अपर सचिव विनीत कुमार, प्रमुख अभियंता दीपक कुमार यादव सहित लोक निर्माण विभाग के अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

अवरूद्ध सड़कों को खोलने में कोताही ना बरतें

देहरादून : लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि गढ़वाल एवं कुमाऊं को जोड़ने के लिए सड़कों की पर्याप्त कनेक्टिविटी होनी चाहिए। लोक निर्माण मंत्री ने बैठक में अल्मोड़ा, पौड़ी, टिहरी, नैनीताल, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी और चमोली से वर्चुअल जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून सीजन के दौरान सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का सजगता के साथ निर्वहन करें और अवरुद्ध सड़कों को खोलने में किसी प्रकार की कोई कोताही ना बरतें।

IHMS KOTDWAR
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
ISO 9001-2015 Certified
Institute of Hospitality, Management & Sciences
Admissions Open
"Journey Towards Excellence"
100% JOB ASSISTANCE
AVAILABLE PROGRAMMES
B.H.M. 4 Years
B.B.A. 3 Years
B.C.A. 3 Years
B.Sc. IT 3 Years
C.H.M. 1 Year
M.B.A. 2 Years
Current Placement
PRIYANSHU RAWAT — WIPRO LIMITED
SAGAR RAWAT — TAJ USHA KIRAN PALACE
NIKITA RAWAT — WIPRO LIMITED
DEEPAK KUMAR DHAUNDIYAL — RAMADA JAIPUR
AJAD — HYATT JAIPUR
AYUSH CHAUDHARI — DIGITAL AGE RETAIL Pvt. Ltd.
MAYANK TIWARI — DIGITAL AGE RETAIL Pvt. Ltd.
MOHD. MUNAJIR HUSSAIN — DAFFODILL SOFTWARE
HEMANT DIXIT — TAJ HOTELS AND RESORTS
KARTIK — INFLIGHT CATERING, PUNE
SUMIT RAWAT — INFLIGHT CATERING
ANKITA KUNDALIYA — WIPRO LIMITED
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

स्वास्थ्य कर्मियों को दिया यू-विन पोर्टल का प्रशिक्षण

यू-विन पोर्टल से मिलेगी गर्भवती व बच्चों के टीकाकरण पंजीकरण की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : यूनिवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम को डिजिटल बनाने की कवायद के तहत बुधवार को चिकित्सा अधिकारियों व स्वास्थ्य कर्मियों को यू-विन पोर्टल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आगामी अगस्त माह में लॉच होने जा रहे यू-विन प्लेटफार्म के माध्यम से गर्भवती व बच्चों के टीकाकरण पंजीकरण, टीके से संबंधित जानकारी प्राप्त हो सकेगी, वहीं टीकाकरण की तारीख पास आने पर मोबाइल पर संदेश भी मिलेगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला में बतौर मास्टर ट्रेनर यूएनडीपी के प्रोजक्ट ऑफिसर गढवाल योगेश रावत ने बताया कि यूनिवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम को डिजिटल बनाने हेतु को-विन की तर्ज पर यू-विन प्लेटफार्म बनाया गया है। यू-विन पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण, प्रसव को रिकार्ड करने, टीकरकरण, नवजात के पंजीकरण की सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यू-विन पोर्टल पर टीकाकरण सेवा, टीकाकरण की अद्यतन स्थिति, आरआर सत्र और टीकाकरण कवरेज आदि रिपोर्ट एकल प्लेटफार्म पर प्राप्त होंगी, टीकाकरण के लिए व्यक्तिगत ट्रेकिंग, आगामी खुराक के लिए अनुस्मारक, ड्रापआउट के फालोअप के लिए सभी गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं का डिजिटल पंजीकरण होगा, लाभार्थी को ट्रेक करने और टीकाकरण के लिए जनपद के पास सामान्य डेटाबेस तक पहुंच हो सकेगी, यू-विन पोर्टल के माध्यम से नागरिक अपने आस-पास के टीकाकरण केंद्रों की खोज कर सकेगें व टीका लगाने के लिए समय बुक करा सकते हैं। बताया कि संपूर्ण टीकाकरण के उपरांत लाभार्थी को तत्काल डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त हो सकेगा, लाभार्थी प्रमाण पत्र डाउनलोड कर उसे डिजी-लॉकर पर संग्रहित कर सकता है।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मर्तोलिया ने कहा कि नियमित प्रतिरक्षण का डेटा डिजिलट होने से टीकाकरण कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी तरीके से संचालित करने में मदद मिलेगी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. आशुतोष ने यू-विन पोर्टल के अंतर्गत निर्धारित समय में होने वाले रिपोर्टिग के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अगस्त्यमुनि डॉ. विशाल वर्मा, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी जखोली डॉ. यास्मिन, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ऊखीमठ डॉ. मोनिका, डॉ. गोपाल सजवाण, डीसी आईईसी, हरेंद्र सिंह नेगी, डीईओ यशवंत राणा, फील्ड सुपरवाइजर प्रतिरक्षण उमेश जगवाण, स्टाफ नर्स पूर्ती, अरविंद, बीपीएम अगस्त्यमुनि मुदित मैठाणी, अमित मैठाणी, ब्लॉक समन्वयक आशा जगजीत चैधरी, रचना भट्ट, दिगंबर भंडारी आदि मौजूद रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक से भरा टेंपो पकड़ा

ऋषिकेश। नगर पालिका का सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ लगातार अभियान चल रहा है। बुधवार को एसडीएम की मौजूदगी में यहां सौंग नदी के पास से सिंगल यूज प्लास्टिक से भरा एक टेंपो पकड़ा गया। एसडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि नगर पालिका ने उनको सूचना दी थी कि एक लोडर में सिंगल यूज प्लास्टिक भरा हुआ है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर इसे पकड़ा गया। पालिका के ईओ उत्तम सिंह नेगी ने कहा कि पूरे क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर सफाई निरीक्षक सचिन रावत, परमीत सिंह आदि मौजूद रहे।

राजभवन ऑडिटोरियम में हुई महिलाओं के लिए स्वास्थ्य कार्यशाला आयोजित

देहरादून। राजभवन ऑडिटोरियम में बुधवार को प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर की अध्यक्षता में महिलाओं के लिए एक स्वास्थ्य कार्यशाला आयोजित हुई। इस कार्यशाला में विभागाध्यक्ष स्त्री एवं प्रसूति रोग, सीएमआई अस्पताल डॉ. सुमिता प्रभाकर ने उपस्थित महिलाओं को स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के संबंध में जागरूकता और इससे बचाव के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं में स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने और इसके रोकथाम के लिए किए जाने वाले उपायों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. सुमिता ने कहा कि स्तन कैंसर की प्रारंभिक पहचान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्क्रीनिंग किया जाना जरूरी है जिससे कैंसर की पहचान हो सके और इसका इलाज जल्द से जल्द प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने महिलाओं को संतुलित आहार करने, अपने वजन की देखभाल करने, तनाव को प्रबंधित और नियमित व्यायाम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा की इन सभी उपायों से किसी भी प्रकार की बीमारी से बचा जा सकता है।

प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह की कार्यशाला का उद्देश्य जहां महिला सदस्यों के स्वास्थ्य संबंधित चुनौतियों के प्रति जागरूक करना है वहीं उनकी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करना भी है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने दैनिक कार्यों में इतना व्यस्त रहती हैं और वे अपने स्वास्थ्य की देखभाल करना भूल जाती है। उन्होंने कहा कि अपने स्वास्थ्य के प्रति हमें स्वयं गंभीर होने की जरूरत है। स्वास्थ्य ही हमारा सबसे बड़ा धन है।

आईडीपीएल के जीएम ने बांधा सामान

ऋषिकेश। आईडीपीएल की आवासीय कॉलोनी में भवनों को खाली कराने के साथ ही अब प्रशासन प्रबंधन को भी कैंपस से हटा रहा है। कंपनी के जनरल मैनेजर अमित शर्मा ने अपना सामान बांध लिया है। जबकि, तीन दर्जन भवनों को प्रशासन अभी तक खाली करा चुका है। कार्रवाई को लेकर विरोध भी लगातार जारी है। बावजूद, इसके प्रशासन की टीम फोर्स के साथ कार्रवाई में जुटी है। बुधवार को प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस फोर्स आईडीपीएल के जनरल मैनेजर अमित शर्मा के आवास पर पहुंचे। उन्हें आवास खाली करने के लिए कहा, तो विरोध में कॉलोनी के दर्जनों लोग मौके पर आ धमके।

नव प्रवेशी प्रशिक्षुओं ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

रूद्रप्रयाग : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रतूड़ा में मुख्य शिक्षा अधिकारी, पर्यावरण प्रेमी एवं संस्थान के शिक्षकों, नव प्रवेशी प्रशिक्षुओं द्वारा पौधरोपण किया गया। इस मौके पर अनेक प्रजाति के करीब 85 पौधों का रोपण किया गया। साथ ही सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

शिक्षक एवं पर्यावरण प्रेमी सतेंद्र भंडारी की पहल पर मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं डायट के प्राचार्य विनोद कुमार सिमल्टी के निर्देशन में संस्थान के शिक्षक एवं प्रशिक्षुओं द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान परिसर के साथ ही इसके सीमा में 50 शोभादार, 30 अशोक एवं 15 फाईकस के पौधों का रोपण किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। डायट के प्राचार्य के कुशल नेतृत्व में विद्यालयों को हाइटेक करने के उद्देश्य से डायट में अनेकों नवाचारी पहल में पर्यावरण की नवाचारी पहल शिक्षक सतेंद्र भण्डारी की पहल को नव प्रवेशी बच्चों के नाम पर पौध रोपण की मुहिम को जोड़ा गया। उन्होंने प्रशिक्षुओं के नाम पर संस्थान परिसर में शोभादार पौधों का रोपण किया है। जिसकी जिम्मेदारी प्रत्येक प्रशिक्षु हो दी गई है। डायट के प्राचार्य विनोद सिमल्टी ने कहा कि पौधरोपण आज की महत्वपूर्ण जरूरत बन गई है। प्रत्येक व्यक्ति को पौध रोपण करने के साथ ही रोपित पौधों कि सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी ताकि प्रकृति का संतुलन बना रहे। वर्तमान समय में बेहतर स्वास्थ्य ही एक अच्छे नागरिक का निर्माण कर सकता है। इसके लिए जरूरी है कि हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। प्रकृति को हरा भरा बनाने में अपना सहयोग करे। कहा कि बीते वर्ष शिक्षक सतेंद्र भंडारी के सहयोग से संस्थान में सभी ने मिलकर दस अशोक और आठ मोरपंखी के पौधे लगाए जिनमें से 90 फीसदी पौधे जीवित है। उन्होंने शिक्षक भंडारी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उप प्राचार्य हरि बल्लभ डिमरी, विनोद कुमार यादव, आनंद सिंह जगवाण, डॉ. गुरु प्रसाद सती, इंदुकांता, विजय चौधरी, मानवीरेंद्र बर्त्वाल, प्रशिक्षु आयुष भट्ट, अमित पड़ियार, संदीप कुमार, मयंक गिरी, आरजू शुक्ला, प्रीती देवी, प्रज्ञा आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

संक्षिप्त समाचार

जल्द रास्ता निर्माण न होने दी आंदोलन की चेतावनी

उत्तरकाशी : सांकरी-तालुका मोटर मार्ग के पूर्ति तोक में सड़क निर्माण के दौरान पूर्ति गांव को जाने वाला पैदल रास्ता पूरी तरह धंस गया, जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में भारी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द यदि रास्ते का निर्माण नहीं किया गया तो वो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

मोरी विकास खंड के सिरगा ग्राम पंचायत के पूर्ति गांव को सड़क मार्ग से जोड़ने वाला एक मात्र पैदल रास्ता था, जो पुरी तरह धंस गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पीएमजीएसवाई की सड़क सौड़-ओसला मोटर मार्ग निर्माण के दौरान ठेकेदारों ने इस जगह पर पत्थर और रोड़ी निकाला था, जो अब पूरी तरह धंस गया है। गांव वालों का यह एक मात्र रास्ता है जिससे उनको पीने का पानी, खाद्यान्न और पशु चारा लाने में खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। मूर्ति सिंह, नौनियाल सिंह, प्रकाश रावत, अक्षय रावत, सुनील रावत, चंद्र सिंह आदि ने बताया कि यदि जल्द पैदल मार्ग ठीक न किया गया तो आन्दोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। (एजेंसी)

यमुनोत्री हाईवे पर यातायात सुचारू

उत्तरकाशी : ओरछा बैण्ड के पास बाधित यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग 24 घंटे यातायात के लिए सुचारू कर दिया गया है। यहां क्षतिग्रस्त हिस्से में मरम्मत कार्य के चलते हाईवे पर 4 से 10 जुलाई तक 12 घंटे आवाजाही बंद रखने का निर्णय लिया गया था, लेकिन हाईवे को हल्का चौड़ा कर मरम्मत कार्य के बीच गेट सिस्टम से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से सुचारू की गई है।

प्रभारी निरीक्षक बड़कोट संतोष कुंवर ने बुधवार को जानकारी देते हुये बताया कि धरासू-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्थान ओरछा बैण्ड के पास भू-धंसाव से बाधित हो गया था। कार्यदायी संस्था द्वारा वहां पर रोड मरम्मत व पुनर्निर्माण को देखते हुए वाहनों की आवाजाही 10 जुलाई तक समय सीमा निर्धारित की गयी थी, किन्तु अब उक्त स्थान पर सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा रोड को थोड़ा चौडीकरण कर यातायात के लिए सुचारु कर दिया है।

10 जुलाई को सीएम आवास घेरेंगे राज्य आंदोलनकारी

ऋषिकेश। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी एवं चिन्हीकरण आंदोलन मंच ने सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया है। मंच के कार्यकर्ताओं ने राज्य आंदोलनकारियों का चिन्हीकरण नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई। इसके विरोध में राज्य आंदोलनकारी 10 जुलाई को सीएम आवास का घेराव करेंगे। बुधवार को उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी एवं चिन्हीकरण आंदोलन मंच ने न्याय पंचायत रानीपोखरी के भोगपुर पंचायत भवन में बैठक की।

बैठक में पूर्व प्रधान पुष्पराज बहुगुणा ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के निर्माण के लिए राज्य आंदोलनकारियों ने अपना खून पसीना बहाया है। उनकी कुर्बानियों और आंदोलन की बदौलत ही यह प्रदेश मिला है। बावजूद इसके सरकार राज्य आंदोलनकारियों की उपेक्षा कर रही है।

प्रदेश के कई राज्य आंदोलनकारी चिन्हीकरण से वंचित रह गए हैं। रानीपोखरी न्याय पंचायत में भी कई राज्य आंदोलनकारियों का चिन्हीकरण नहीं किया गया है। इसी मांग को लेकर 10 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास का घेराव होगा। इसमें सभी राज्य आंदोलनकारी शामिल होंगे। बैठक में कामेश रावत, पुष्पराज बहुगुणा, पूर्णनंद तिवारी, सुमेर चंद्र, जगदोष सिंह, भगवान सिंह चौहान, नरेश सिंह पुंडीर, राजेंद्र तोमर, संजीव नेगी आदि उपस्थित रहे।

फर्जी डीड से रेस्टोरेंट में हिस्सेदार बनाने का झांसा देकर बीस लाख हड़पे

देहरादून। फर्जी पार्टनरशिप डीड के जरिए रेस्टोरेंट में हिस्सा दिखा मां–बेटे ने कारोबारी से बीस लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित कारोबारी ने दोनों के खिलाफ फर्जीवाड़े को लेकर राजपुर थाने में केस दर्ज कराया है।

थानाध्यक्ष जितेंद्र चौहान ने बताया कि प्रकरण को लेकर विजय अग्रवाल निवासी स्कॉर्फ अपार्टमेंट, द्वितीय तल, जोहड़ी रोड, जाखन ने तहरीर दी। कहा कि वह पिछले कुछ सालों से रितु चौधरी पत्नी रविंद्र चौधरी और उनके बेटे तुषार चौधरी निवासी राजपुर रोड को जानते पहचानते हैं। दोनों इंदरबाबा मार्ग पर द वॉल स्ट्रीट रेस्टोरेंट का संचालन कर रहे थे।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष और महासचिव संगठन को बद्री केदार आने का निमंत्रण दिया

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने बुधवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल से मुलाकात कर उत्तराखंड के राजनैतिक हालातों की जानकारी दी। उन्होंने खड़गे को बद्रीनाथ–केदारनाथ धाम की यात्रा का भी न्यौता दिया है।मुलाकात के बाद प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी ने बताया कि नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में हुई इस मुलाकात में राष्ट्रीय अध्यक्ष और महासचिव ने विस्तार से उत्तराखंड के राजनैतिक हालातों की जानकारी ली। साथ ही प्रदेश इकाई की ओर से गत एक साल में किए गए कार्यों का भी विवरण लिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष माहरा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष खडगे को उत्तराखंड भ्रमण के साथ ही बद्रीनाथ–केदारनाथ तीर्थ यात्रा का भी निमंत्रण दिया। माहरा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे से कार्यकर्ताओं में जोश का संचार होगा। मुलाकात के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी और सलाहकार अमरजीत सिंह भी मौजूद रहे। इसके अलावा तीनों नेताओं ने कोषाध्यक्ष पवन बंसल से मुलाकात कर कांग्रेस की प्रदेश में स्थित सम्पत्तियों का भी विवरण प्रस्तुत किया है।

सूत्रों के मुताबिक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कांग्रेस में सेंधमारी को लेकर किए जा रहे दावों को लेकर अलर्ट किया है।

नशे की लत पूरी करने को वाहन चोरी करने तीन गिरफ्तार

देहरादून। नशे की लत पूरी करने को वाहन चोरी करने वाले गैंग का शहर कोतवाली पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने एक पुराने हिस्ट्रीशीटर समेत तीन आरोपी गिरफ्तार करते हुए उनसे चोरी किए आठ दुपहिया वाहन बरामद किए हैं। चोरी किए वाहन आरोपियों ने बकरालवाला चर्च के पास खंडहर में खड़े किए हुए थे। एसपी ऋषम सर्वेश पंवार ने बुधवार को एसएसपी कार्यालय में प्रेसवार्ता कर वाहन चोरी गैंग की गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 27 जून को सुशील सिंह रावत ने पीएनबी बैंक एस्लेहाल शाखा के बाहर से बाइक चोरी होने का केस दर्ज कराया। वह बैंक में कर्मचारी हैं। 30 जून को सादिक हुसैनी का स्कूटर सिंघल मंडी स्थित घर के पास से चोरी किया गया। चार जुलाई को नीलम अवस्थी की बाइक दून अस्पताल आवासीय परिसर से चोरी हुई। चार जुलाई को सन्नी सिंह ने राजीव गांधी कांप्लेक्स से बाइक चोरी होने का केस दर्ज कराया। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इस दौरान जो हुलिया मिला, उनका नशे के आदी लोगों के डेजियर से मिलान किया गया। इस दौरान एक का हुलिया नौशाद और एक अन्य का नसीम से मिला। पुलिस ने मंगलवार शाम चोरी के आरोपी नौशाद (23) निवासी कल्याण आश्रम गांधीग्राम, पटेलनगर, नसीम (31) निवासी सिंघल मंडी कुसुम, विहार और राजेंद्र (38) निवासी बिंदाल कॉलोनी, एसजीआरआर को गिरफ्तार किया।

मौत के बाद भी दुनिया देखेगी अधिवक्ता की आंखे, शोध के काम आएगा शरीर

देहरादून। वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र कुमार (87) भले इस दुनिया से विदा हो गए हैं, लेकिन उनकी आंखे अब भी इस दुनिया का दीदार करेगी और शरीर शोध के काम आएगा। निधन के बाद उनके परिवारजनों ने उनकी इच्छानुसार उनका शरीर दान किया है।

103 हेरीटेज हाइट्स सुभाष रोड निवासी अधिवक्ता जितेंद्र कुमार कामगार संघ और मजदूर संघ के प्रताड़ित सदस्यों के वाद एवं निसहाय महिलाओं को इंसाफ दिलाने के लिए उनके वाद निशुल्क कोर्ट में प्रस्तुत किया करते थे। वकालत के साथ–साथ उनकी अन्य विषयों पर भी मजबूत पकड़ थी।

डीएम ने किया कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रिकार्डरूम का औचक निरीक्षण

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने आज कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रिकार्डरूम का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रिकार्डरूम में नियुक्त कार्मिकों सहित रिकार्ड स्कैनिंग में लगे कार्मिकों की जानकारी प्राप्त करते हुए व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। रिकार्डरूम की समुचित व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रूप से स्थापित करने हेतु अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। साथ ही उप जिलाधिकारी मुख्यालय को नियमित रूप से रिकार्डरूमों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों से निर्धारित प्रारूप पर पूर्ण विवरण सहित आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए। वहीं कड़े निर्देश दिए कि रिकार्डरूम को नियत समय पर खोला/बन्द किया जाए तथा नामित कार्मिक के अतिरिक्त कोई अन्य प्रवेश न करें। उन्होंने दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे।

जिलाधिकारी ने रिकार्डरूम में सीसीटीवी कैमरे बढाने तथा रिकार्डरूम पर मुख्य द्वार पर सीसीटीवी कैमरा लगाने के निर्देश दिए दिए जिससे रिकार्डरूम में प्रवेश करने वालों की जानकारी रहे। उन्होंने उप जिलाधिकारी मुख्यालय को निर्देश दिए प्रतिदिन रिकार्डरूम में प्राप्त होने वाले आवेदन तथा ओवदन के सापेक्ष दिए गए अभिलेखों की मॉनिटरिंग की जाए।

साथ ही निर्देशित किया कि रिकार्ड हेतु आने वाले आवेदन निर्धारित प्रारूप पर हो तथा रिकार्ड प्राप्त करने वाले का पूर्ण विवरण यथा नाम, पता, मोबाईल नम्बर रजिस्टर पर अंकन किया जाए। यदि किसी आवेदन के क्रम में रिकार्ड न दिए गए हों तो उसका स्पष्ट विवरण अंकित हो। उन्होनें अपर जिलाधिकारी प्रशासन को निर्देशित किया कि रिकार्डरूम में पुताई के साथ ही अभिलेखों को व्यवस्थित रखे जाने हेतु रैक बढाए जांए।

मेयर से की क्षेत्र की सड़क और नालियों का निर्माण करवाने की मांग

ऋषिकेश। मनसा देवी क्षेत्र में बदहाल सड़कें राहगीर की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। सड़कों के किनारे नालियों का निर्माण नहीं होने से जल भराव हो रहा है। क्षेत्रवासियों ने मेयर से क्षेत्र की सड़क और नालियों का निर्माण करवाने की मांग की। बुधवार को मनसा देवी के लोगों ने नगर निगम कार्यालय पहुंचकर मेयर अनिता ममगाईं से मुलाकात की। पार्षद विजेंद्र मोघा ने कहा कि वार्ड नंबर 37 मनसा देवी क्षेत्र में सड़क और नालियों की स्थिति खराब होने की वजह से बारिश होते ही जलभराव हो रहा है। बदहाल सड़क पर बने गड्ढों में गंदगी और कीचड़ भर जा रहा है। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। समस्या सुनने के बाद मेयर अनिता ममगाईं ने जल्द ही सड़क एवं नालियों का निर्माण कराकर समस्या का समाधान कराने का आश्वसन दिया।

पीएम मोदी को भाए उत्तराखंड के काफल, सीएम धामी को पत्र भेज आभार जताया

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तराखंड के काफल भा गए। उन्होंने रसीले व दिव्य मौसमी फल भेजने पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को पत्र भेज कर आभार जताया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को उत्तराखंड के प्रसिद्ध फल काफल भेंट किए थे। मुख्यमंत्री धामी को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि देवभूमि उत्तराखंड से भेजे गए रसीले और दिव्य मौसमी फल 'काफल' प्राप्त हुए।

सिपाहियों को कुचलने के प्रयास में फरार इनामी गो तस्कर एसटीएफ ने दबोचा

देहरादून। सिपाहियों को कुचलने के प्रयास में फरार चल रहे इनामी गोतस्कर को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। तीन दिन तक चले ऑपरेशन के बाद आरोपी को बरेली जिले के शेरगढ़ क्षेत्र से दबोचा गया है।

आरोपी के खिलाफ गो तस्करी और पुलिस पर हमला करने के केस दर्ज हैं। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बुधवार को अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल 2023 को ऊधमसिंहनगर के पुलभट्टा में केस दर्ज किया गया। आरोपी युनुस और उसके तीन साथी दो वाहनों में गोमांस की तस्करी कर रहे थे। पुलभट्टा पुलिस ने शंकर फार्म कट के नजदीक हाईवे पर रोकने की कोशिश की।

तब आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस कर्मचारियों पर गाड़ी चढ़ा दी। पुलिस कर्मी बामुश्किल बचे। दोनों वाहनों को मौके पर पकड़ लिया गया तो उनमें पांच कुंतल मांस मिला था।

सुबह दस बजे से पहले उठाया जाएं शहर का कूड़ा

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के लोगों ने शहर की सड़कों से सुबह दस बजे से पहले कूड़ा उठवाने की मांग की है। कहा कि गंदगी के कारण आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

समस्या के संबंध में भाबर वासियों ने महापौर हेमलता नेगी को ज्ञापन दिया। बताया कि शहर के बेहतर विकास के लिए कोटद्वार नगर निगम का गठन किया गया था। लेकिन, नगर निगम शहर की सड़कों से समय पर कूड़ा भी नहीं उठा पा रहा है। नतीजा पूरे दिन सड़कों पर गंदगी के ढेर लगे रहते हैं। दुर्गंध के कारण व्यापारियों का अपने प्रतिष्ठानों में बैठना भी मुश्किल हो जाता है। साथ ही आसपास के परिवारों को संक्रामक बीमारियों का भी खतरा बना रहता है। कहा कि जनता के हित को देखते हुए जल्द ही व्यवस्थाओं में सुधार किया जाना चाहिए। इस मौके पर पुष्पा देवी, जगमोहन नेगी, बीना देवी, सत्यपाल सिंह, मुन्नी देवी, सौरभ नेगी आदि मौजूद रहे।

गड्ढों में खो गया नगर निगम का विकास, टूट रही वाहन चालकों की कमर

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत बदहाल स्थिति में पड़ी है अधिकांश सड़कें

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम बनने के बाद जनता को बेहतर विकास की उम्मीदें थी। लेकिन, नगर निगम क्षेत्र में बदहाल पड़ी सड़कों की भी मरम्मत नहीं करवा पा रहा है। नतीजा गड्ढों की चपेट में आने से आए दिन दोपहिया वाहन चालक घायल हो रहे हैं। बरसात के समय जल भराव के दौरान सबसे अधिक परेशानी हो रही है। क्षेत्रवासी कई बार नगर निगम से सड़क मरम्मत की मांग उठा चुके हैं।

नगर निगम क्षेत्र के चालीस वार्डों में शायद ही कोई ऐसी सड़क हो जो बदहाल न दिखाई दें। जगह-जगह सड़कों पर बने गड्ढे वाहन चालकों की कमर तोड़ रहे हैं। यह गड्ढे कब किसकी जिंदगी लील जाएं, कुछ कहा नहीं जा सकता। सनेह निवासी पुष्पा देवी, मोनिका देवी ने बताया कि सबसे बुरी स्थिति झंडाचौक से लकड़ीपड़ाव तिराहे तक बने हुए हैं। हनुमान मंदिर के समीप तिराहे पर बीच सड़क में एक बड़ा गड्ढा बना हुआ है। दो दिन पूर्व एक स्कूटी सवार महिला गड्ढे की चपेट में आने से चोटिल हो गई थी। यही नहीं लकड़ीपड़ाव तिराहे से लेकर गाड़ीघाट तिराहे तक भी सड़क खस्ताहाल पड़ी हुई है। गाड़ीघाट विकास नगर से गिवईस्रोत पुल तक जगह-जगह गड्ढे चोटिल कर रहे हैं। यही स्थिति मानुपर चौराहे से बेलाडाट चौराहे तक बनी हुई है। भाबर की सड़कों पर भी यह तस्वीर आसानी से देखी जा सकती है। लगातार बढ़ रही समस्या के बाद भी नगर निगम सड़क मरम्मत की सुध नहीं ले रहा।

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत मालगोदाम रोड में बदहाल पड़ी सड़क

बरसात में बढ़ी मुश्किलें

मरम्मत नहीं होने से सड़क के गड्ढे बरसात में जख्म दे रहे हैं। दरसअल, बारिश के दौरान गड्ढे पानी से भर जाते हैं। जिससे गड्ढे का अंदाजा नहीं हो पाता। वहीं, बदहाल सड़कों पर मिट्टी व कीचड़ भी आमजन को परेशान कर रहा है। मिट्टी सूखने के बाद सड़क पर धूल बनी रहती है।

नाम बदलने के बजाय लैंसडौन का हो बेहतर विकास

लैंसडौन वासियों ने रक्षामंत्री को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लैंसडौन वासियों ने पर्यटन नगर लैंसडौन का नाम बदलने के बजाय इसके बेहतर विकास पर ध्यान देने की मांग की है। कहा कि लैंसडौन का बेहतर विकास होने से क्षेत्र के युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध होगा। जिससे काफी हद तक पलायन पर भी रोक लगेगी।

स्थानीय लोगों ने रक्षा मंत्री को ज्ञापन भेकर लैंसडौन का नाम न बदलकर यहां का विकास करने की मांग उठाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भेजे ज्ञापन में सुरेंद्र अग्रवाल, लता खंडेलवाल, दीपक अग्रवाल, समीम अहमद, विनोद शाह, अनिल अग्रवाल ने कहा कि जनता से रायशुमारी किए बिना नगर का नाम बदलने की कवायद से ज्यादा जरूरी यहां विकास से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर लाना है। कहा कि गत 2 वर्षों से लैंसडौन का नाम बदलने की कवायद की जा रही है, जबकि आम जनता लैंसडौन का नाम बदलने के विरोध में है। यहां का नाम बदलने से लोगों का भला नहीं होने वाला है। यहां के विकास से व्यापार बढ़ेगा और पलायन पर भी अंकुश लगेगा। उन्होंने रक्षा मंत्री से लैंसडौन के विकास के साथ वीर शहीदों की यादों व उनकी वीरता को चिरस्थायी बनाने के लिए लैंसडौन में लाट सूबेदार बलभद्र सिंह के नाम से व्यवसायिक शिक्षा संस्थान, राइफलमैन जसवंत सिंह के नाम से छावनी चिकित्सालय, देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम से नगर में इको पार्क की स्थापना करने की मांग की।

आम बोलचाल में अपनाएं संस्कृत के शब्द

संस्कृत भारती की ओर से आयोजित शिविर का हुआ समापन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कण्वाश्रम में आयोजित संस्कृत भारती का दस दिवसीय शिविर का बुधवार को समापन हो गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संस्कृत के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि हमें आम बोल चाल में संस्कृत के शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। इससे हम अपनी संस्कृत भाषा को बेहतर बना सकता है।

बुधवार को दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर के अंतिम दिन का शुभारंभ शिक्षक कुलदीप मैंदोला ने किया। उन्होंने संस्कृत भाषा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि आज देश-विदेश के लोग संस्कृति भाषा को पहचान रहे हैं। समाज का प्रत्येक व्यक्ति संस्कृत भाषा को अपनाएं, इसके लिए संस्कृति भारती निःशुल्क संस्कृत सीखो कक्षाएं चलाती है। राजकीय इंटर कालेज कण्वघाटी के प्रधानाचार्य रमाकांत कुकरेती ने कहा कि विद्यार्थियों को शिविर में मिलने वाली जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना होगा, जिससे हम अपनी संस्कृति व भाषा का बेहतर प्रचार-प्रसार कर सके। सुभाष नौटियाल ने कहा कि गढ़वाली बोली में संस्कृत के कई शब्द प्रयोग होते हैं।

हमें आम बोल चाल में संस्कृत शब्दों का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। इस मौके पर आशीष नैथानी, कमल बिष्ट, सिद्धार्थ नैथानी, सुदीप देवलियाल आदि मौजूद रहे। में भाग लेते विद्यार्थी

कोटद्वार के कण्वाश्रम में आयोजित शिविर

भालू के हमले में व्यक्ति घायल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन जंगली जानवर मानव पर हमला कर घायल कर रहे है। दमदेवल रेंज के कुल्याणी गांव में ग्रामसभा के स्थानीय ग्रामीण को भालू ने हमला कर घायल कर दिया। घायल का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। जहां उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।जिला अस्पताल में भर्ती भालू के हमले में घायल रघुवीर सिंह ने बताया कि वे बीते मंगलवार को ग्रामसभा कुल्याणी के खेतों की चौकीदारी कर रहे थे। तभी अचानक भालू ने उन पर हमला कर दिया। घायल रघुवीर के हाथ में भालू ने दांत व नाखून मारे हैं। जिला अस्पताल के एमएस डा. अडडा बाला विजय बाबू ने बताया कि घायल का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। घायल की स्थिति खतरे से बाहर है।

मानकों के खिलाफ खुली मांस की दुकानें, बजरंग दल व भाजपा कार्यकर्ता भड़के

श्रीनगर : कीर्तिनगर में मांस की दुकानों का मानकों के खिलाफ संचालन होने पर बजरंग दल व भाजपा कार्यकर्ताओं ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। इस संदर्भ में उन्होंने एसडीएम व कोतवाल से मिलकर इस पर लगाम लगाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा यदि उनकी मांग पर अमल नहीं हुआ तो उन्हें उग्र आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा।

बजरंग दल के जिला संयोजक राजन, सूरज, अंशुल, विवेक, संदीप, अभिषेक, विशाल सहित भाजपा के पंकज उनियाल, शैलेश मलासी आदि कार्यकर्ताओं ने कहा कि कीर्तिनगर में मंगलवार को सायं के समय एक मांस विक्रेता द्वारा दुकान का आधा शटर खोलकर मांस-मछली बेची जा रही थी। इसकी भनक लगने पर कार्यकर्ताओं ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया व मौके पर पहुंचकर विरोध जताया। उन्होंने कहा कि यहां पर जितनी भी मांस–मछली की दुकानें हैं वह नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। यहां तक कि मांस की जांच की भी कोई व्यवस्था नहीं हैं। कहा इनके लाइसेंस हैं भी या नहीं इसकी प्रशासन तक को पता नहीं है। उन्होंने कोतवाल व एसडीएम से प्रत्येक मंगलवार को मांस-मछली व नाई की दुकानों को पूर्ण रूप से बंद रखे जाने, सावन माह में प्रत्येक सोमवार को मांस की दुकानें बंद रखे जाने, बाहरी लोगों का सत्यापन कराए जाने की मांग की। एसडीएम सोनिया पंत व कोतवाल कमल मोहन भंडारी ने कहा कि मानकों के तहत संचालित न होने वाली मांस की दुकानों को बंद कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि खाद्य निरीक्षक को भी इसकी जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। (एजेंसी)

नागरिक मंच ने उठाई समस्याओं के निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वरिष्ठ नागरिक संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों की देवी रोड स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक में कोटद्वार विधानसभा की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके निराकरण की मांग की गई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं का अभी तक भी समाधान नहीं हो पाया है। नगर निगम बनने के बाद आम जनता को क्षेत्र के बेहतर विकास की आस थी, लेकिन निगम इस पर खरा नहीं उतर पाया है। कहा कि शहर में यातायात व सड़कों पर बेसहारा घूमते गौ वंश की समस्या के कारण आम जन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि इस संबंध में संगठन की ओर से शासन-प्रशासन को ज्ञापन प्रेषित कर दिया गया है। वहीं कोटद्वार से संचालित होने वाली रेलगाड़ियों को बंद कर दिया गया है। यहां से दिल्ली के लिए मात्र एक ही रेलगाड़ी का संचालन किया जा रहा है जो जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर रही है। इसलिए कोटद्वार रेलवे स्टेशन से रेल सेवाओं का विस्तार किया जाना चाहिए।

अंकिता के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस करेगी आंदोलन : मनीष

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कांग्रेस नेता मनीष खंडूड़ी ने कहा कि अंकिता के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी। बदरीनाथ से लेकर कोटद्वार तक गढ़वाल भर के सभी शहरों में एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। जिसकी शुरुआत पौड़ी से बुधवार से कर दी गई है।

बुधवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेता मनीष खंडूड़ी ने कहा कि अंकिता हत्याकांड को 10 माह बीतने के बाद भी मामले को फास्ट टैक कोर्ट में नहीं भेजा गया है। इसके अलावा अंकिता के भाई को आज तक सरकारी नौकरी देने का वादा भी सरकार पूरा नहीं कर पाई है। जिससे अंकिता के परिजन सरकार से खासे नाराज है। कहा कि अंकिता के माता-पिता लगातार सरकार से सरकारी वकील को हटाने की मांग कर रहे है, लेकिन सरकार उनकी मांग को अनदेखा कर रही है। इससे पूर्व सुबह उन्होंने अंकिता के गांव डोभ श्रीकोट जाकर अंकिता की माता सोनी देवी व पिता वीरेंद्र भंडारी से मुलाकात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। इसके बाद कांग्रेसियों ने अंकिता के परिजनों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय के बाहर हेमवती नंदन बहुगुणा मूर्ति स्थल पर धरना दिया। इस मौके पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, महिला जिलाध्यक्ष नीलम रावत, सरिता नेगी, नवलकिशोर, गोपाल, उपेंद्र रावत, वीर प्रताप आदि मौजूद रहे।

लैंसडौन घूमने आए पर्यटकों की कार खाई में गिरी, छः लोग घायल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर स्थित ग्राम टरकोली नहटोर से लैंसडौन घूमने आए पर्यटकों की कार लैंसडौन-डेरियाखाल मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में एक ही परिवार के छः लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को छावनी चिकित्सालय से राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार रेफर किया गया है।

लैंसडौन कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि बिजनौर के नहटौर टरकोली गांव के कुछ लोग लैंसडौन घूमने आए थे। जब वह लैंसडौन से लौट रहे थे तभी डेरियाखाल के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई और चीख पुकार मच गई। आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को रेस्क्यू कर खाई से सड़क तक निकाला और उन्हें लैंसडौन के छावनी चिकित्सालय में पहुंचाया। छावनी चिकित्सालय की प्रभारी डॉ. मनीषा अग्रवाल ने बताया कि घायल इसफाक (23) पत्नी मुम्तजीत, मुमतजीर (27) पुत्र मो. हनन, मो. खिजार (22) पुत्र इरशाद अहमद, अब्दुल हनन (15) पुत्र इरशद अहमद, आशुपिया (13) पुत्री मो. हनन, जैश (13) वर्ष पुत्र नदीम अहमद का प्राथमिक उपचार किया गया। उनकी हालत गंभीर होने के कारण सभी को राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार के लिए रेफर किया गया है। उन्हें 108 एंबुलेंस के माध्यम से कोटद्वार भेजा गया है।

डेरियाखाल मार्ग पर खाई में गिरी कार

पुलिस ने घायलों को रेस्क्यू कर छावनी अस्पताल पहुंचाया

लापता छात्र जंगल से सकुशल बरामद, परिजनों को सौंपा

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : मंगलवार को लापता हुआ राजकीय इंटर कॉलेज श्रीनगर का 12 वर्षीय कक्षा छः का छात्र बुधवार को सिल्काखाल रोड के पास जंगल में सुकशल मिल गया है। छात्र स्कूल के छात्रावास में रहता था और वह छुट्टी के बाद न तो छात्रावास पहुंचा और न ही घर। जिससे स्कूल प्रशासन के हाथ पांव फूल गए थे। इस मामले में छात्रावास अधीक्षक की ओर से श्रीनगर कोतवाली में गुमशुदगी रिपोर्ट दी गई। जिस पर पुलिस टीम ने भी जगह-जगह छात्र की ढूंढ खोज की, लेकिन छात्र का पता नहीं चल पाया था।

जीआईसी श्रीनगर के छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहा चौरास क्षेत्र के मंगसू गांव निवासी छात्र बीते मंगलवार को दोपहर में लापता हो गया था। स्कूल की छुट्टी होने के बाद वह छात्रावास नहीं पहुंचा। जबकि साथ का छोटा भाई छात्रावास पहुंच गया था। छात्रावास अधीक्षक मुकेश बहुगुणा ने छोटे भाई से पूछा, तो उसने बताया कि भाई ने घर जाने की बात कही और वह छात्रावास नहीं आया। घर में पता करने पर परिजनों ने बताया कि वह घर भी नहीं आया है। इसके बाद उन्होंने कोतवाली श्रीनगर में गुमशुदगी दर्ज कराई। जिस पर पुलिस टीम, परिजन व छात्रावास कर्मी अनुज को खोजने में जुट गए। रात भर ढूंढ-खोज जारी रहने के बाद भी उन्हें सफलता नहीं मिली। बुधवार को किसी ग्रामीण द्वारा एक बच्चे को सिल्काखाल रोड के आस-पास देखे जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसकी तलाश की तो वह जंगल में मिला। कोतवाल रवि सैनी ने बताया कि जीआईसी श्रीनगर में कक्षा छः के लापता छात्र को सिल्काखाल रोड के पास जंगल से सकुशल बरामद कर लिया गया है। छात्र ने पूरी रात जंगल में ही बिताई। कहा छात्र को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया है। (एजेंसी)

दो स्टेट हाईवे सहित 15 सड़कें बंद

पौड़ी : जिले में बुधवार को रूक-रूक कर बारिश होती रही। बारिश से आम जनजीवन प्रभावित प्रभावित रहा। वहीं जिले में बुधवार को बारिश के कारण दो स्टेट हाईवे भिक्यासैंण-चौखुटियाल और घटूगाड़-सिलोंगी सहित कुल 15 सड़कों पर यातायात बंद रहा। सड़कें बंद होने लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोक निर्माण विभाग बंद सड़कों को खोलने में जुटा हुआ है।

नगर निगम की अनदेखी से लोगों में रोष

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर में नर्सरी रोड की खस्ताहाल स्थिति से लोगों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। नगर के अति व्यस्ततम मार्गों में से एक इस मार्ग के रख-रखाव को लेकर नगर निगम की अनदेखी से लोगों में रोष है। मार्ग पर रेलवे द्वारा बनाए गए नए पुल के शुरू में ही सीवर लाइन के चेंबर से सीवर का पानी सड़क में पसरने से पैदल चलने वाले लोगों को भी परेशानियां हो रही हैं।

नर्सरी रोड से होकर कई स्कूलों के छात्र-छात्राओं के साथ ही चौरास क्षेत्र व स्थानीय लोगों की आवाजाही होती है। लेकिन इस मार्ग की कई जगहों पर खस्ताहाल स्थिति बने होने से लोगों में नगर निगम व सबंधित विभागों के प्रति गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि मार्ग पर कई जगहों पर भारी-भरकम गड्ढे बने हुए हैं। जिनमें दुपहिया वाहनों का गुजरना तक मुसीबत का कारण बन रहा है। कई बार लोगों द्वारा मार्ग की स्थिति ठीक कराए जाने की मांग कर दी गई है। बावजूद कोई सुधार नहीं हो रहा है। दूसरी ओर इस मार्ग पर सीवर व नालियों का पानी भी पसर रहा है। जिससे पैदल चलने वाले लोगों सहित स्कूली बच्चों पर वाहनों के गुजरने के दौरान गंदे पानी के छींटें पड़ने व पैदल चलने में भी दिक्कतें हो रही हैं। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त रवि राज सिंह बंगारी का कहना है कि जो मार्ग खराब स्थिति में हैं उनके एस्टीमेट बनाए जा रहे हैं। कहा सीवर के चेंबर लीक होने की समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग को अवगत कराया जाएगा। (एजेंसी)

विधायक तिवारी ने खांकरी में लगाई जन चौपाल

अल्मोड़ा। विधायक मनोज तिवारी ने भैंसियाछाना के खांकरी गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा समस्याओं के निदान का आश्वासन दिया। उन्होंने ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को तत्काल आदेश दिए। इस दौरान विधायक तिवारी में विकास कार्यों के लिए 8 लाख की घोषणा की। चौपाल में ग्रामीणों ने विधायक से अगेरा तिमूरी सड़क निर्माण करवाए जाने की मांग की। अपने संबोधन में विधायक तिवारी ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस विश्वास के साथ जनता ने उन्हें जिताकर विधानसभा भेजा है वे उस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि अगेरा तिमूरी सड़क विकासखंड में उनकी पहली प्राथमिकता में है। इस सड़क के निर्माण के लिए वह दो तरह से प्रयासरत हैं। विधायक बनते ही इस सड़क के निर्माण के लिए आरडब्लूई से मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत प्रस्तावित किया है तथा इसके अतिरिक्त पूर्व से प्रस्तावित राज्य योजना के अंतर्गत निर्माण खंड से भी सड़क के लिए कार्यवाही गतिमान है।

आयुष डॉक्टरों ने ली प्राथमिक ट्रॉमा की ट्रेनिंग

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में आयुष डॉक्टरों को एक दिवसीय प्राथमिक ट्रामा केयर प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें 52 आयुष डॉक्टरों ने प्राथमिक ट्रॉमा की ट्रेनिंग ली। उत्तराखंड सरकार के आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग के सौजन्य से लाइफलाइन फाउंडेशन की ओर से प्रदेश भर के डॉक्टरों को यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत ने कहा कि ऐसी ट्रेनिंग स्किल क्रिटिकल दशा में जीवन दायिनी होती हैं। इस तरह की स्किल ट्रेनिंग तृतीय सन्दर्भण केन्द्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में नियत अन्तराल पर होती रहनी चाहिए।

प्राचार्य ने कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकार की उक्त पहल ग्रामीण क्षेत्रों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। प्रशिक्षण में मेडिकल कॉलेज के एनेस्थिसिया विभाग के एचओडी डॉ. अजेय विक्रम सिंह एवं सर्जरी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हरि सिंह द्वारा आयुष डॉक्टरों को प्राथमिक ट्रॉमा केयर के बारे में प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने बताया कि कष्ट कारक अवस्था में मरीज एंव दुर्घटना में घायल व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा एवं सीपीआर से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, इससे डॉक्टर्स कष्ट कारक स्थिति में अस्पताल में प्राप्त होने वाली चिकित्सा के पूर्व रोगी को संभालने में सक्षम होंगे और दुर्घटना के कारण होने वाली मृत्यु दर को कम कर मरीज का जीवन बचाने में सहायक होंगें।

लाइफलाइन फाउंडेशन के डॉ. वैभव सिंधी और मनोज ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर बैंक की सीएसआर गतिविधियों के तहत एचडीएफसी बैंक परिवर्तन द्वारा प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। (एजेंसी)

अल्मोड़ा पहुंचे आप उत्तराखंड प्रभारी, कार्यकर्ताओं से किया संवाद

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित जोशी एवं जिलाध्यक्ष अल्मोड़ा आनंद सिंह बिष्ट व नंदन सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी बरिंदर गोयल, सह प्रभारी रोहित मेहरोलिया ने कार्यकर्ता संवाद किया।

कुमाऊं दौरे की शुरुआत उत्तराखंड के रुद्रपुर से शुरू हुई जोकि चंपावत, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल तक होनी है।

बैठक का मुख्य कार्यक्रम वॉलिंटियर मैपिंग का रहा। प्रभारी, सह प्रभारी ने दिल्ली और पंजाब मॉडल को उत्तराखंड में भी लागू करने की बात कही, उनका कहना था कि जिस प्रकार से आम आदमी पार्टी ने 2022 का चुनाव बड़ी मजबूती के साथ लड़ा, उसी प्रकार से राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते देश के अंदर हर चुनाव में आम आदमी पार्टी मजबूती से अपने प्रत्याशियों को चुनाव लड़ाएगी। साथ ही आज अल्मोड़ा में उनका पहला दौरा था जिसमें सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर आगामी नगर निकाय के चुनाव और लोकसभा के चुनाव में मजबूती से लड़ने का संदेश देकर गए। प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित जोशी ने कहा कि उत्तराखंड की पूरी जनता भारतीय जनता पार्टी के कुशासन से त्रस्त है।

समिति ने चार टीबी मरीजों को लिया गोद

चम्पावत : पाटी के दूरस्थ गांव मूलाकोट में रेडक्रास समिति ने स्वास्थ्य शिविर लगाया। इस दौरान टीबी के चार मरीजों को गोद लिया। इन मरीजों को हर माह निक्षय पोषण किट दिए जाएंगे। बुधवार को रेडक्रास समिति ने शिविर लगाया। समिति के कोषाध्यक्ष प्रेम बल्लभ भट्ट ने बताया कि टीबी के चार मरीजों कमल सिंह,बची देवी, हेमा देवी, चेतन सिंह को गोद लिया गया। लोगों को तंबाकू नियन्त्रण कार्यक्रम की जानकारी दी गई। सभी से तंबाकू सेवन से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम में टीबी कार्यक्रम के ब्लॉक सुपरवाइजर विकास थ्वाल, रेडक्रास समिति सदस्य हरीश भट्ट, हरीश पाण्डेय समेत तमाम ग्रामीण मौजूद रहे। बाद में जीआईसी मूलाकोट में जागरुकता कार्यक्रम किया गया। छात्र छात्राओं को कोटपा एक्ट की जानकारी देने के साथ ही नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई। (एजेंसी)

वन कर्मियों और ग्रामीणों ने रोपे पौधे

चम्पावत : वन पंचायत च्यूराखर्क में वन महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष विजय वर्मा रहे। वन क्षेत्राधिकारी बृजमोहन टम्टा, राजेन्द्र गहतोड़ी, सभासद नंदन तड़ागी, सरपंच नघान लक्ष्मण राम, वन दरोगा चतुर सिंह, हरीश जोशी, दिनेश चंद्र, बलदेव, कृष्णानंद, चन्द्रशेखर और ग्रामीणों ने पौध रोपण किया। इस दौरान देवदार, बांज, फल्यांट आदि प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। (एजेंसी)

आंखें दान करने को डीएम कार्यालय में लगाई अर्जी

पिथौरागढ़ : तीलू रोतेली पुरस्कार प्राप्त रीता गहतोड़ी ने अपने नेत्र दान के लिए डीएम कार्यालय में अर्जी लगाई है। इसके लिए रीता ने स्वतंत्रता दिवस को विधिवत रुप से प्रपत्र बनाने की बात कही। रीता ने डीएम नरेन्द्र सिंह भंडारी को ज्ञापन देकर कहा कि वह बीते कई महीनों से लोगों को नेत्र दान के लिए जागरुक कर रही है। जिसमें वह लोगों की नेत्रदान संबंधी भ्रांतियों और अंधविश्वास को भी खत्म कर रही हैं। इसी को लेकर वह भी अपने नेत्र दान करना चाहती हैं। जिसके लिए उन्होंने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को चुना है। स्वतंत्रता दिवस को वह विधिवत रुप से आवश्यक प्रपत्र भरेंगी। जिससे कि मरणोंपरांत उनकी आंखों को किसी जरुरत मंद को दी जा सके। (एजेंसी)

आर्थिक संकट से जुझ रहे मुर्गी पालक, ऋण माफ करने की मांग

पिथौरागढ़ : सीमांत के मुर्गी पालकों ने प्रशासन से ऋण माफ करने की मांग उठाई है। बुधवार को नगर में मुर्गी पालकों ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम को ज्ञापन दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुर्गी पालन कारोबार में हानि होने से कई कारोबारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बाजार में स्थानीय व्यापारियों को वरीयता नहीं मिलने समेत कई अन्य कारणों से लोग मुर्गी व्यवसाय छोड़ रहे हैं। कहा कि पर्याप्त मुर्गियां होने के बावजूद नगर में सप्लाई नहीं है। सीमांत की तुलना गाजियाबाद की मंडी से की जा रही है। मंडी के दाम अधिक होने के बावजूद व्यापारी मनमानी से रेट तय कर रहे हैं। ज्ञापन देने वालों में राजन गिरी, राजेश गोबाडी, राजेंद्र, सुरेश सिंह आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

किसानों को खेती की नई तकनीक बताई

रुद्रपुर : अमेरिकन कंपनी वरडेशियन लाइफ साइंसेज की ओर से अमेरिका में खेती की नई तकनीक के बारे में किसानों को बताया गया। सिडकुल के एक होटल में बीज कंपनी साईं सीड्स व अमेरिकन कंपनी वरडेशियन लाइफ साइंसेज की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रगतिशील किसानों को आधुनिक तकनीक की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि वरडेशियन के साउथ एशिया व साउथ ईस्ट एशिया के मैनेजिंग डायरेक्टर राजकुमार गोयल ने अमेरिका में कृषि की नई तकनीकों के बारे में अपने अनुभव साझा किए। गोयल ने यूरिया खाद की क्षमता को बढ़ाने की नई तकनीक एन-चार्ज व न्यूट्रीस्फीयर-एन से किसानों को अवगत कराया। कहा कि खेत में कम यूरिया डालकर अच्छे परिणाम ले सकते हैं। साईं सीड के एमडी मुकेश गर्ग ने उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के महत्व पर प्रकाश डाला। बताया कि वरडेशियन की एमएसी बीजोपचार तकनीक से उनके किसान काफी लाभान्वित हुए हैं। विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख पति पलविंदर सिंह औलख ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से किसानों को बेहतर खेती करने की नई-नई तकनीक की जानकारी होती है। यहां अनिल पन्नू, अक्षय खुराना, भगीरथ मल, रामनिवास, राजेश गर्ग, आदित्य, श्रेय, यश, राकेश गर्ग, सोनू चौहान, अखिलेश गुप्ता, लक्खा सिंह मौजूद रहे। (एजेंसी)

धूम–धाम से मनाया गया विवेकानन्द संस्थान ने 100वाँ स्थापना दिवस

अल्मोड़ा। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का 100वाँ स्थापना दिवस संस्थान के अल्मोड़ा स्थित सभागार में धूम–धाम से मनाया गया। शताब्दी समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. हिमांषु पाठक, सचिव (डेयर) भारत सरकार एवं महानिदेश-ाक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा अति विषिष्ट अतिथि डॉ. टी आर शर्मा, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान) एवं विषिष्ट अतिथि डॉ. डी के यादव, सहायक महानिदेशक (बीज) भाकृअनुप एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ कुंदन हाउस स्थित पूजागृह में पूजा अर्चना की गयी। जिसके बाद स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया।

मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा संस्थान में लगे स्टालों का भ्रमण किया गया। इसके पश्चात् मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद गीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हिमांषु पाठक, माननीय सचिव (डेयर) भारत सरकार एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा इस अवसर पर तृतीय पदम भूषण प्रो बोषी सेन स्मारक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने प्रो बोषी सेन के योगदान पर बल देते हुये संस्थान की स्थापना हेतु उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं दर्षन का गहरा नाता है जिसका विवेकानन्द संस्थान जीता–जागता उदाहरण है। कार्यक्रम के अति विषिष्ट अतिथि डॉ टी आर शर्मा, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा संस्थान के 100वें स्थापना दिवस पर बधाइयां देते हुए कहा कि दस दषकों से कार्य कर रहे ।

चम्पावत में बारिश से तापमान में गिरावट, तीन ग्रामीण सड़कें बंद

चम्पावत : चम्पावत में बारिश से तापमान में गिरावट आ गई। बीते 24 घंटे में चम्पावत में सर्वाधिक 20 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। इधर, बारिश से तीन ग्रामीण सड़कें भी बंद हो गई। चम्पावत में बुधवार को तड़के बूंदाबादी हुई। सुबह करीब आठ बजे बारिश होने से तापमान में गिरावट आ गई। पूर्वान्ह में बादल छंटने से हल्की धूप खिली। इसके बाद मौसम का मिजाज फिर बदल गया। दोपहर करीब 12 बजे यहां कुछ देर के लिए तेज बारिश हुई। शाम करीब तीन बजे फिर से कुछ देर के लिए बारिश हुई। इस दौरान ठंडी हवा चलने से तापमान में गिरावट आ गई। लगातार बदल रहे मौसम से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पुल को जोड़ने वाली सड़क की दीवार क्षतिग्रस्त

अल्मोड़ा। बाड़ेछीना सेराघाट मोटर मार्ग के मंगलता में बने पुल को जोड़ने वाली अप्रोच सड़क पिछले एक साल से क्षतिग्रस्त है। सड़क का पानी भी इसी क्षतिग्रस्त दीवार से नीचे गिर रहा है। जिससे सड़क कभी भी बाधित हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि एप्रोच सड़क को तुरंत दुरुस्त नहीं किया गया तो पुल को खतरा उत्पन्न हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार पीडब्ल्यूडी को सूचित करने के बावजूद विभाग इससे अब तक बेखबर बना हुआ है।

अल्मोड़ा पिथौरागढ़ को जोड़ने वाली बाड़ेछीना सेराघाट मोटर मार्ग में मंगलता के जैगन नदी पर बना पुल खतरे में है। पुल को जोड़ने वाली सड़क का एक हिस्सा पिछले एक साल से क्षतिग्रस्त है। बरसात के दिनों में दो सड़कों का पानी इसी क्षतिग्रस्त दीवार से रिस रहा है जिस कारण धीरे–धीरे सड़क का कटान हो रहा है। विभाग ने क्षतिग्रस्त सड़क के किनारे मिट्टी और पत्थर का ढेर लगा कर इतिश्री कर ली। ज्ञात हो कि इस सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में हल्के तथा भारी वाहन सेराघाट, गणाई, गंगोलीहाट, बेरीनाग, चौकोड़ी, थल, मुनस्यारी, डीडीहाट, धारचूला आदि स्थानों को आवागमन करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शीघ्र सड़क की दीवार को दुरुस्त किया जाए अन्यथा कभी भी आवागमन बाधित हो सकता है तथा कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।

कैबिनेट मंत्री ने किया आंचल कैफे का शुभारम्भ

रुद्रपुर : दुग्ध, पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सितारगंज के रोडवेज बस स्टेशन पर बने आंचल कैफे का शुभारंभ किया। कैबिनेट मंत्री बहुगुणा ने कहा कि राज्य के अपने दुग्ध ब्रांड आंचल डेयरी की ओर से आंचल कैफे खोले गए हैं। इससे राज्य के लोगों को रोजगार भी मिलेगा। बुधवार को राज्य के विभिन्न शहरों में 12 आंचल कैफे शुरू किए गए हैं। इस मौके पर ऊधमसिंह नगर दुग्ध संघ के प्रशासक तिलकराज गम्भीर, ऊधमसिंह नगर जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष योगेंद्र रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि उमाशंकर दुबे, तरुण पंत, रतन लाल गुप्ता, सुखदेव सिंह, राकेश त्यागी, आदेश ठाकुर, आदेश चौहान, उमेश मिश्रा, विजय सलूजा, सुरेश जैन, विष्णु प्रमाणिक, शिखा हाल्दार, अंशुल तिवारी, नवीन भट्ट, मनोहर बेराली आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

विधायक ने किया सड़कों का लोकार्पण

रुद्रपुर : विधायक तिलकराज बेहड़ ने लालपुर और ग्राम छिनकी में 10 लाख रुपए की लागत से बनीं सड़कों का लोकार्पण किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विधायक का फूल मालाओं से स्वागत किया।

बुधवार को लालपुर में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में बेहड़ ने कहा कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने भेदभाव के आधार पर कार्य कराए थे, लेकिन वह हमेशा भेदभाव और जातिवाद से ऊपर उठकर विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हैं।

सितंबर माह में होगा कुमाऊँ महोत्सव 2023 का आयोजन

अल्मोड़ा। नगर पालिका परिषद अल्मोड़ा के सभागार में श्रीराम सांस्कृतिक एवं सामाजिक सेवा समिति अल्मोड़ा की द्वितीय बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष कुमाऊँ महोत्सव का आयोजन सितंबर के प्रथम सप्ताह में किया जाएगा। उक्त बैठक में यह भी तय किया गया कि कुमाऊँ महोत्सव 2023 में कुमाऊँनी संस्कृति के उत्थान के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं स्टार नाइट आदि, स्वस्थ मनोरंजन हेतु झूले एवं स्टॉल आदि, विभिन्न प्रतियोगिताएं जिसमें नृत्य, गायन, कला, अल्पना, मेहंदी, फैंसी ड्रेस, कुमाऊँनी दुल्हन, मिस कुमाऊँ, मिस्टर कुमाऊँ, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल हॉकी, ओपन माइक आदि प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त कुमाऊँनी फोटो गैलरी को भी महोत्सव में सम्मिलित किया जाएगा। इस वर्ष नृत्य प्रतियोगिता को भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। जिसमें पूरे उत्तराखंड के प्रतिभागी सम्मिलित होंगे विजेता प्रतिभागी को पुरस्कार के रूप में चांदी की बांसुरी के साथ 11000 रुपया नगद धनराशि दी जाएगी।

अल्मोड़ा पुलिस ने आपरेशन मर्यादा व इवनिंग स्टॉर्म के तहत की कार्यवाही

अल्मोड़ा। जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामचन्द्र राजगुरु द्वारा जनपद में अपराध नियंत्रण, सुदृढ़ कानून/ सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रभावी पुलिसिंग हेतु समस्त अधिकारियों, कार्मिकों को आपरेशन मर्यादा व इवनिंग स्टॉर्म के तहत सार्वजनिक/पर्यटक स्थलों पर शराब पीने/पिलाने, गन्दगी करने, अराजकता फैलाने वालों व सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के सख्त निर्देश दिये गये हैं। जनपद पुलिस द्वारा आपरेशन मर्यादा व इवनिंग स्टॉर्म के तहत चेकिंग अभियान के दौरान माह जून 2023 में नियमों का उल्लंघन करने वाले 2,914 लोगों पर एमवी एक्ट/पुलिस एक्ट व कोटपा एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही की गई है।

कच्ची शराब के साथ एक पकड़ा

रुद्रपुर : पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

मंगलवार को पुलिस ने चेकिंग के दौरान काशीपुर रोड से पैदल कच्ची शराब ले जा रहे एक युवक को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम फौजी मतकोटा भूरारानी निवासी तरुण बताया। तलाशी लेने पर 70 पाउच कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। (एजेंसी)

तलवार से युवक पर जानलेवा हमला करने के चार आरोपित गिरफ्तार

रुद्रपुर : किच्छा रोड स्थित एक बार एंड रेस्टोरेंट में विवाद के चलते चार आरोपियों ने एक युवक पर तलवार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। मामले में पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है आरोपी पंजाब जाकर विदेश भागने की फिराक में थे। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त तलवार और कार बरामद की है। बुधवार को एसएसपी कार्यालय में एसपी सिटी मनोज कत्याल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया दो जुलाई की रात नौ बजे किच्छा निवासी अभिषेक तनेजा पुत्र अनिल तनेजा किच्चा रोड स्थित एक बार एंड रेस्टोरेंट में परिवार के साथ डिनर करने गए थे। इस दौरान महिला पर बदनीयती का विरोध करने पर उनका चार लोगों से विवाद हो गया था। उस समय प्रबंधन ने किसी तरह मामला संभाल लिया, लेकिन जैसे ही अभिषेक वहां से निकलकर पार्किंग में पहुंचा तो चारों आरोपियों ने अभिषेक पर तलवार से हमला कर दिया। अभिषेक के हाथ में चोट आई। तीन जुलाई को अभिषेक ने पुलिस तहरीर दी। पुलिस ने जांच करते हुए टीम गठित की और सीसीटीवी फुटेज देखकर आरोपियों की शिनाख्त की और मंगलवार को तीनपानी किच्छा बाईपास रोड से आरोपी गांव मलपुरी सरकड़ा थाना सितारगंज निवासी सुरेन्द्र पाल सिंह उर्फ छिन्दर पाल पुत्र जसमेल सिंह, सरकड़ा सितारगंज निवासी महीप सिंह उर्फ हिम्मत पुत्र बलवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

किसान नकदी फसलों का करें उत्पादन

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : बुधवार को विकास भवन सभागार में आत्मा योजनान्तर्गत कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। इस मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालदम से डॉ. हिना कौसर व डॉ. विजेता ने किसानों से संवाद कर उनके सवालों के जबाव दिए। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने किसानों को स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने को कहा। उन्होंने विभागों को किसानों का एक्सपोजर विजिट कराने तथा प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में कृषि, उद्यान, पशुपालन, भेषज, रेशम, मत्स्य सहित अन्य रेखीय विभागों की योजनाओं की जानकारी दी गई। किसानों ने अपनी समस्याएं बताते हुए कहा कि जंगली जानवर बंदर, सुअर द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस दौरान किसानों को बताया गया कि जिला योजना से चैनिंग फेंसिग करने के लिए योजना बनाई गई है। साथ ही किसानों को नकदी फसलें जैसे अदरक, हल्दी, लैमन ग्रास आदि के रोपण करने का सुझाव दिया गया। जिससे नुकसान कम और आय अर्जन ज्यादा मुख्य कृषि अधिकारी वीपी मौर्या ने विभागीय योजनाओं की जानकारी, जैविक खेती, यंत्रीकरण प्रोत्साहन, सिंचाई सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान समस्त रेखीय विभागों के अधिकारी एवं प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

सीएम हेल्प लाइन पर सरकारी धन के दुरूपयोग की शिकायत

टिहरी : देवप्रयाग ब्लॉक की पट्टी पालकोट की ग्राम पंचायत लसेर के ग्रामीणों ने सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने मामले में डीएम को ज्ञापन प्रेषित कर सीएम हेल्प लाइन पर भी शिकायत की है। डीएम को भेजे ज्ञापन में भाजपा नेता व पूर्व प्रधान लक्ष्मी नारायण बिजल्वाण ने बताया कि, बीते वर्ष 15 अक्तूबर को डीएम टिहरी की अध्यक्षता में राइंका रानाकोट में आयोजित जनता दरबार में ग्रामीणों ने मामले में शिकायत दर्ज की थी। जिस पर आला अधिकारियों ने एक माह में कार्रवाई का आश्वासन ग्रामीणों को दिया। लेकिन आठ माह बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कारवाही नही होने से ग्रामीणों में रोष बना है। पूर्व प्रधान लक्ष्मी नारायण ने कहा कि, गांव में एडीओ पंचायत व एडीपीआरओ के दौरे के बावजूद शिकायतों का कोई समाधान नहीं हो पाया है। (एजेंसी)

प्रसव पीड़िता ने शिशु को रास्ते में दिया जन्म, जच्चा-बच्चा सुरक्षित

टिहरी : भिलंगना ब्लॉक की बालगंगा तहसील की बाजार पट्टी के बछनगांव में गर्भवती द्वारा बीच रास्ते में ही शिशु को जन्म दिया गया। गांव में सड़क सुविधा नहीं होने के चलते ग्रामीण प्रसव पीड़िता को डंडी में बैठाकर सड़क तक ला रहे थे, जहां रास्ते में ही प्रसव पीड़िता ने बच्चे को जन्म दे दिया। ग्रामीणों ने क्षेत्र में सड़क सुविधा न होने पर सरकार व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कड़ा रोष जताया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते मंगलवार शाम को बछनगांव निवासी महादेव प्रसाद की पत्नी प्रियंका देवी को प्रसव पीड़ा के बाद ग्रामीण डंडी में बैठाकर सड़क मार्ग तक ला रहे थे। गांव से सड़क तक आने में करीब 2 घंटे का समय लगने पर प्रसव पीड़िता ने बीच रास्ते में ही बच्चे को जन्म दे दिया। प्रसव के बाद परिजनों व ग्रामीणों ने प्राइवेट वाहन से जच्चा-बच्चा को सीएससी बेलेश्वर पहुंचाया, जहां जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। ग्राम प्रधान बछनगांव गुड्डी देवी ने कहा कि, इससे पूर्व भी गांव में सड़क के अभाव में कई महिलाएं बीच रास्ते में बच्चों को जन्म दे चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से ग्रामीण गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने की मांग करते आ रहे है, लेकिन अभी तक गांव को सड़क से नहीं जोड़ा जा सका है। वहीं मामले में लोनिवि के सहायक अभियंता मन्नू सिंह ने कहा कि, गांव के लिए गडारा-बछनगांव मोटर मार्ग का रेखांकन किया गया है, जिसे फा-रेस्ट विभाग को क्लियरेंस के लिए भेजा गया है। वन विभाग की क्लियरेंस के बाद मोटरमार्ग निर्माण की कार्यवाही की जाएगी। (एजेंसी)

बीडीसी बैठक 14 जुलाई को

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : क्षेत्र पंचायत जखोली की बैठक आगामी 14 जुलाई को ब्लॉक प्रमुख प्रदीप प्रसाद थपलियाल की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। खंड विकास अधिकारी जखोली दिनेश प्रसाद मैठाणी ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि 14 जुलाई को विकास खंड सभागार में प्रातः 11 बजे से क्षेत्र पंचायत जखोली की बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में विभागवार संचालित योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्धारित तिथि व समय पर बैठक में प्रतिभाग करने की अपील की है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए कीर्तिमान हासिल कर रहा

रूद्रप्रयाग : भाजपा सतेर-खाल चोपता मंडल द्वारा सतेर-खाल, मायकोटी, दुर्गाधार, चोपता में महासंपर्क अभियान चलाया गया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की 9 साल बेमिसाल की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाई। साथ ही ग्रामीणों की समस्याएं हल करने का भरोसा दिया।

मंडल अध्यक्ष त्रिलोचन प्रसाद भट्ट एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय शर्मा दरमोडा के नेतृत्व में केंद्र सरकार की 9 साल बेमिसाल की उपलब्धियां को जनता को बताया गया। कहा पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए कीर्तिमान हासिल कर रहा है। वर्ष 2024 में होने वाले लोस चुनाव में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा सरकार सत्ता में आएगी। भाजपा जिला मंत्री गंभीर सिंह बिष्ट ने कहा आज मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे प्रदेश में महा संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। तल्लानागपुर क्षेत्र में भी बड़ा ही उत्साह देखने को मिल रहा है। मोदी सरकार ने जनता के लिए जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं, जिसका लाभ जनता को मिल रहा है।

सबका साथ सबका विश्वास के साथ पार्टी आगे बढ़ रही है। इस दौरान स्थानीय लोगों ने सबसे बड़ी पेयजल और बिजली की समस्याओं से अवगत कराया। मंडल अध्यक्ष त्रिलोचन प्रसाद भट्ट ने जल्द से जल्द संबंधित विभाग से संपर्क करके समस्या का समाधान किए जाने का आश्वासन दिया।

मंडल के 29 बूथों में जिन पात्र व्यक्तियों को अभी तक सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, उन्हें चिन्हित कर संबंधित विभाग से लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर जिपंस सुनीता बर्तवाल, मंडल उपाध्यक्ष हरीश गुंसाईं, मंडल महामंत्री विक्रम पैलडा, अर्जुन नेगी, कोषाध्यक्ष राकेश रावत, हिम्मत सिंह रावत, मीडिया प्रभारी मानेंद्र कुमार, लक्ष्मण बर्तवाल, भागचंद् लाल, सचेंद्र रावत समेत भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। (एजेंसी)

प्लास्टिक मॉडल प्रतियोगिता में भारती ने मारी बाजी

टिहरी : पीजी कॉलेज नई टिहरी में मानविकी एंव सामाजिक विज्ञान परिषद की ओर से छात्रों के बीच पर्यावरण संरक्षण जागरुकता विषय पर अनुपयोगी प्लास्टिक मॉडल प्रतियोगिता संपन्न करवाई गई। छात्र-छात्राओं ने अनुपयोगी प्लास्टिक से विभिन्न प्रकार के सजावटी और उपयोगी सामान तैयार किया। प्रतियोगिता में भारती प्रथम, शिवानी द्वितीय तथा शिवानी पुंडीर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को कॉलेज प्राचार्य डॉ. डीपीएस भंडारी पुस्कृत किया। मौके पर डॉ. हर्ष नेगी, डॉ. हेमलता नौटियाल, डॉ. कामिनी पुरोहित, डॉ. रजनी गुसाईं, डॉ. एसके कगडियाल, डॉ. निशांत भट्ट, डॉ. सोबन सिंह, डॉ. प्रीतम सिंह, डॉ. मीरा कुमारी आदि उपस्थित थे। (एजेंसी)

जिला मजिस्ट्रेट ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना ने बुधवार को राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की मौजूदगी में ईवीएम वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम व वीवीपैट मशीनें डबल लॉक में सुरक्षित पाई गई। पूरी प्रक्रिया की फोटो वीडियोग्राफी भी की गई।

जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में अग्निशमन सिलेंडर, सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम, साफ सफाई व सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए। ईवीएम वेयर हाउस को राजनैतिक दलों की उपस्थिति में फिर से डबल लॉक में सील किया गया।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त मजिस्ट्रेट डा. दीपक सैनी, सहायक निर्वाचन अधिकारी धीरज चंद्र सती, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी देवेन्द्र सिंह अधिकारी, ईई अला दिया, तहसीलदार धीरज सिंह राणा, प्रभारी भाजपा कार्यसमिति चमोली संदीप रावत, जिला महामंत्री भाजपा अनुसूचित मोर्चा अमित कुमार, नगर मंडल अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा भाजपा दीपक टम्टा, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आईएनसी आनंद सिंह पंवार आदि मौजूद थे।

डीएम ने नदी के जल स्तर पर निगरानी बनाएं रखने को कहा

टिहरी : डीएम टिहरी ने मुनिकीरेती क्षेत्र में विभिन्न कांवड़ यात्रा रूटों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। डीएम ने नदी घाटों के तटों पर सुरक्षा की दृष्टि से चैन लगाने के साथ हर समय नदी के जल स्तर पर निगरानी बनाये रखने को कहा।

बुधवार डीएम टिहरी मयूर दीक्षित ने जिले में पड़ने वाले कांवड़ क्षेत्र मुनिकीरेती, जानकी सेतु, तपोवन घाट, रामझूला, लक्ष्मण झूला पुल आदि स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। डीएम ने कांवड़ यात्रा का सुगम, सरल, सुरक्षित और व्यवस्थित ढ़ग से संचालन हेतु जल पुलिस, एसडीआरएफ को कांवड़ संभावित नदी घाटों पर निगरानी बनाये रखने को कहा। कहा कि कांवड़ यात्रा क्षमता के मुताबिक शौचालय, पार्किंग आदि की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से यात्रा के दौरान पुलों आदि स्थानों पर टूटफूट होने पर तत्काल उसे ठीक करने के निर्देश दिये, पुलों पर व्यू कटर लगाने को कहा, ताकि यात्रियों को पुल पर फोटो और सेल्फी लेने रोका जा सके। क्षमता से अधिक यात्रियों के पुल पर आवागमन पर रोक लगाने के साथ, यातायात व्यवस्था को ठीक रखने, कांवड़ यात्रा मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाने, नियमिति साफ सफाई के अधिकारियों को निर्देश दिये। मौके पर एसएसपी टिहरी नवनीत सिंह भुल्लर, सीडीओ मनीष कुमार, सीएमओ डॉ. मनु जैन, एएसपी वीडी डोभाल, एससी सिंचाई आरके गुप्ता, डीएफओ अमित कंवर, एसडीएम देवेंद्र नेगी, एआरटीओ चक्रपाणि मिश्रा, डीएसओ अरुण वर्मा, जीएस असवाल, तनवीर सिंह, एपी उनियाल आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

आदिबदरी में दो नाली जमीन पर बनेगा पीआरडी का निरीक्षण भवन

चमोली : गैरसैंण विकासखंड के आदिबदरी तहसील में शीघ्र ही दो नाली जमीन पर पीआरडी का निरीक्षण भवन बनेगा। बुधवार को पीआरडी के जिला कमांडेंट साहू ने निरीक्षण भवन के लिए जमीन का स्थलीय दौरा करने के बाद यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने पीआरडी के कार्यों का भी जायजा लिया। जिला कमांडेंट एसके साहू ने बताया कि पीआरडी के कमांडेंट जनरल एसके खुराना की पहल पर होमगार्ड के जवानों को हर परिस्थितियों में सक्षम बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं, तथा उन्हें एसएलआर राइफल की ट्रेनिंग भी दी गयी है साथ ही वीआईपी गनर के रूप में सेवा देने के लिए पिस्टल की ट्रेनिंग देने की भी योजना है। बताया कि ड्यूटी के दौरान होमगार्ड के जवानों को रहने की असुविधा न हो इसके लिए प्रत्येक तहसील में निरीक्षण भवन बनाने की भी विभाग की योजना है।

लंपी रोग को लेकर पशुपालन विभाग अलर्ट

रूद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग जिले में लंपी बीमारी से अब तक जनपद में 34 पशुओं की मौत हो गई है। जबकि अनेक गांवों में 127 पशु अभी भी संक्रमित हैं।

पशुपालन ने सम्पूर्ण जनपद में 60 हजार पशुओं पर इस बीमारी से बचाव के लिए वैक्सीन लगा दी है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशीष कुमार ने बताया कि जनपद में 878 पशुओं में लंपी के लक्षण पाए गए। इनमें से वैक्सीन लगाने के बाद 713 पशु ठीक हो गए। जबकि 127 अभी भी बीमार चल रहे हैं। अब तक 34 पशुओं की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि लंपी के लिए विभाग पूरी तरह अलर्ट है। (एजेंसी)

डीएम सोनिका ने किया निरीक्षण

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने रिस्पना से बंजारावाला, कारगी चौक, जोगीवाला, 6 नंबर पुलिया, सहत्रधारा ऋसिंग , सर्वे चौक, परेड ग्राउंड, राजपुर रोड, प्रिंस चौक, हरिद्वार रोड का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कार्य स्थल पर बने रहने के निर्देश दिए। बंजारावाला में धीमी कार्य प्रगति पर यूयूएसडीए (उत्तराखंड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी) के अधिकारियों से नाराजगी व्यक्त करते हुए नाराजगी व्यक्त की। रिस्पना से बंजारावाला जोगीवाला तक उत्तराखंड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी के अधिकारियों को कार्य प्रगति बढाने के निर्देश दिए। प्रिंस चौक, सर्वे चौक, सहस्त्रधारा ऋसिंग एवं पर लोनिवि प्रांतीय खण्ड तथा जोगीवाला, 06 नवम्बर पुलिया पर अस्थाई खण्ड लोनिवि के अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्य प्रगति में तेजी लाएं साथ स्पष्ट निर्देश दिए निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के इंतजाम बनाए ताकि किसी प्रकार की घटना घटित न हो। उन्होंने शहर में सड़कों पर जलभराव की स्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुए नगर निगम एवं लोनिवि को प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने नालियों के निर्माण एवं नालियां खोले जाने के कार्यों को यथाशीघ्र करें। निरीक्षण के दौरान लोनिवि, यूयूएसडीए सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दो नाली जमीन वालों को भी मिलेगा एप्पल मिशन का लाभः गणेश जोशी

देहरादून। उत्तराखंड में कम जमीन वाले लोगों को भी एप्पल मिशन का लाभ मिलेगा। अब एप्पल मिशन के लिए 20 नाली भूमि की बाध्यता को समाप्त करते हुए सिर्फ दो नाली कर दिया गया है। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि कृषि विभाग में महानिदेशक का भी पद सृजित किया जाएगा। कैंट रोड स्थित आवास में पत्रकारों से बातचीत में कृषि मंत्री ने कहा कि वर्ष 2023–24 में उच्च गुणवत्तायुक्त फल पौध रोपण योजना के तहत 19 करोड़ बजट का प्रावधान किया गया है। पिछले साल दो लाख सेब के पौधे लगाए गए थे, वहीं इस वर्ष 12 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। अधिक से अधिक किसानों को योजना का लाभ मिले, इसके लिए दो नाली जमीन वाले किसानों को भी लाभ दिया जाएगा। 20 नाली की बाध्यता को समाप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना में 290 प्रस्तावों के ऋण स्वीकृत कराए गए हैं। इसके साथ ही एक इन्क्यूवेशन सेन्टर की पन्तनगर में स्थापना की गयी है। कालाढूंगी, नैनीताल, गंगालहरी, देहरादून में भी इन्क्यूवेशन सेन्टर स्वीकृत कराए गए हैं। राजकीय उद्यान चौबटिया अल्मोड़ा, रामगढ़ नैनीताल और धनोल्टी टिहरी के साथ साथ विभिन्न राजकीय उद्यानों को हार्टी–टूरिज्म के रुप में विकसित कराया जा रहा है। प्रदेश में सेब की उन्नत बागवानी को बढ़ावा देने को अति सघन बागवानी और सेब भंडारण नीति तैयार की गई है। जो कैबिनेट के समक्ष रखी जाएगी। कृषि महानिदेशक का पद सृजित करने को कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा।

उद्यान के विकास को जाइका से 526 करोड़ मंजूर

कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि, उद्यान विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार को दोनों विभाग दृष्टि पत्र तैयार करेंगे। अल्पकालिक और दीर्घकालिक उद्देश्य तय किए गए हैं। वाह्य सहायतित परियोजना (जाइका) से बागवानी के विकास को 526 करोड़ की उत्तराखंड एकीकृत औद्यानिक विकास परियोजना स्वीकृत कराई गई है। इससे टिहरी, उत्तरकाशी, नैनीताल और पिथौरागढ़ में काम होगा। इसी तर्ज पर प्रदेश के नौ अन्य जिलों में औद्यानिकी के एकीकृत विकास को एडीबी से दो लाख करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। कीवी उत्पादन को बढ़ावा देने को कीवी के पौधों की संख्या 2021–2022 में 93 हजार से बढ़ाकर 2022–2023 में 2.12 लाख की गई। उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा देने को सीएम राज्य कृषि विकास योजना के तहत 16.56 करोड़ कीवी को मंजूर कराए गए। पांच करोड़ जारी कर उपयोग में लाया गया।

बेरोजगारों ने लगाया लैब टेक्नीशियन भर्ती में गड़बड़ी का आरोप, जांच की मांग की

देहरादून। मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट संघ एवं बेरोजगार संघ ने रविवार को आयोजित हुई लैब टेक्नीशियन भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी की आशंका जताई है। उन्होंने इस परीक्षा की जांच की मांग की है। प्रशिक्षित बेरोजगार लैब टेक्नीशियन बुधवार को बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार के नेतृत्व में चिकित्सा चयन आयोग के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने चयन आयोग की सचिव गरिमा रौंकली से मुलाकात कर आशंका जताई कि लैब टेक्नीशियन के पदों के लिए आयोजित हुई परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा में आए कई प्रश्न एक ऑन लाइन लिंक के प्रश्नों से मेल खा रहे हैं। ऐसे में गड़बड़ी की आशंका है। उन्होंने कहा कि इसकी जांच कराई जाए।

मुख्य सचिव ने दिए प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कैरियर काउंसलिंग की व्यवस्था शुरू किए जाने के निर्देश

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने बुधवार को सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कैरियर काउंसलिंग की व्यवस्था शुरू किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक बच्चे को कैरियर के सम्बन्ध में परामर्श दिया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक बच्चे की काउंसिलिंग सुनिश्चित हो सके इसके लिए प्रोफेशनल कैरियर काउंसलर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए बच्चों में रुचि और कौशल को जांचने हेतु परीक्षा और उसके परिणाम के उपरांत परामर्श उपलब्ध करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह परामर्श भौतिक रूप से, दूरस्थ क्षेत्रों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम या किसी एक कॉमन सेंटर में बच्चों को बुलाकर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 8वीं कक्षा से ऊपर सभी बच्चों को इसका लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रदेश को आवासीय विद्यालयों से संतृप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रावासों को विद्यालयों के भाग के रूप में ही तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे दूरस्थ क्षेत्र जहां सड़कों एवं आधारभूत सुविधाओं की कमी के कारण उत्कृष्ट विद्यालय में शामिल नहीं किया जा सकता, ऐसे स्कूलों के पास लगे कस्बों और छोटे शहरों में आवासीय विद्यालय तैयार किए जाएं।

गढ़ी कैंट के हिमालय सांस्कृतिक केन्द्र में गूंजेगा निनाद

देहरादून। राज्य के पहले सांस्कृतिक केंद्र के शुभारंभ पर हिमालय सांस्कृतिक केंद्र गढ़ी कैंट में संस्कृति विभाग द्वारा 7 से 10 जुलाई तक निनाद उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कला प्रदर्शनी, सांस्कृतिक संध्या, लोकनृत्य, लोकसंगीत, पारम्परिक भोज, साहित्य प्रदर्शनी, संस्कृति सिनेमा पर व्याख्यान माला का आयोजन किया जाएगा।

प्रसिद्ध अभिनेत्री व नृत्यांगना हेमामालिनी की दुर्गा प्रस्तुति, सिनेमा संस्कृति खंड में प्रसून जोशी, बिजेन्द्र काला, संजय मिश्रा के विचार सुनने का मौका मिलेगा। साथ ही इंडियन आइडल विजेता पवनदीप राजन व अरुणिता कांजीलाल की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। निंबूवाला गढ़ी कैंट स्थित हिमालय सांस्कृतिक केन्द्र में हुई प्रेसवार्ता में सचिव हरीश सेमवाल ने बताया कि आयोजन के पहले दिन सात जुलाई को उत्तराखंड की लोक सांस्कृतिक विरासत के साथ ही राज्य संग्रहालय, ललित कला व पुस्तक प्रदर्शनी, पहाड़ी फूड कोट का उद्घाटन होगा। जहां भारत के प्रतिष्ठित कलाकारों की कलाकृतियां दिखाई जाएगी।

मिथ्या और द्वेषपूर्ण प्रचार पर आरटीओ ने डंडरियाल को भेजा नोटिस

देहरादून। आरटीओ (प्रशासन) सुनील शर्मा ने नरदेव शास्त्री मार्ग निवासी विजय वर्धन डंडियाल को नोटिस भेजा है। नोटिस में परिवहन विभाग पर मिथ्या और द्वेषपूर्ण प्रचार कर विभाग की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है।

नोटिस में कहा कि विजय वर्धन डंडरियाल ने स्वयं को कथित सिटी बस महासंघ नामक संस्था का अध्यक्ष बताकर प्रेस कांफ्रेंस की है। इसमें देहरादून–विकासनगर रूट पर बसों के फेरे तय संख्या से ज्यादा लगाने के आरोप लगाया है।

छावनी परिषद् लैन्सडौन

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दि0 12 जुलाई 2023 को 1200 बजे छावनी परिषद् कार्यालय में 02 वृक्षों (चीड टूटा एवं बुरांश हरा/खड़ा) का सार्वजनिक नीलाम किया जायेगा। नीलामी में सम्मिलित होने के लिए रू0 5000/- की धनराशि अग्रिम जमा करनी होगी जो असफल बोलीदाता को बोली समाप्त होने पर वापस की जायेगी। स्थल एवं नीलामी से सम्बन्धित शर्तें कार्य दिवस को कार्यालय में देखी जा सकती है।

पत्रांक सं0 1014/छा0वन/छा0प0
दि0 05.07.2023

मुख्य अधिशासी अधिकारी
छावनी परिषद्
लैन्सडौन

सम्पादकीय

रील बनाने पर प्रतिबंध

उत्तराखंड का विख्यात केदारनाथ धाम लाखों–करोड़ों हिंदुओं के लिए एक गहरी आस्था का स्थल है। प्रत्येक वर्ष चार धाम यात्रा के दौरान उत्तराखंड में सबसे अधिक भीड़ इसी धाम में बाबा केदार के दर्शनों के लिए उमड़ती है। विषम परिस्थितियों के बावजूद बाबा की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु देश विदेश से आते हैं, लेकिन कई बार यहां श्रद्धालुओं द्वारा की जाने वाली हरकतें इस सिद्ध पीठ की गरिमा और सम्मान पर चोट पहुंचाती है। अभी ताजा एक मामला एक युगल को लेकर सामने आया है जिसमें वायरल हुए वीडियो में पति अपनी पत्नी की मांग भरता है। पत्नी ने इसके बाद पति के पैर छुए, अंगूठी देकर प्रपोज किया जाता है फिर मंदिर परिसर में ही गले मिलने का क्रम भी पूरा किया जाता है। इससे पूर्व भी मंदिर के बाहर कुछ ऐसी हरकतें हो चुकी है जो आस्था एवं धार्मिक दृष्टि से आपत्तिजनक कहीं जा सकती हैं। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बाद रील बनाकर पोस्ट डालने का का चलन सामाजिक व्यवस्थाओं एवं आस्थाओं पर भी प्रभाव डाल रहा है। चार धाम स्थलों में से केदारनाथ वह सबसे प्रमुख स्थल सोशल मीडिया पर बना हुआ है जहां रील बनाने का शौक सिर चढ़कर बोल रहा है। केदारनाथ धाम के परिसर में इससे पहले एक कुत्ते को नंदी के स्पर्श का मामला भी काफी विवादों में रहा है जबकि अब प्रेम निवेदन करने का मामला प्रकाश में आने के बाद मंदिर परिसर में रील बनाने की व्यवस्था पर प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जा रहा है। देश के कई ऐसे धार्मिक स्थल है जहां मंदिरों में मोबाइल फोन के प्रयोग पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इसका प्रमुख कारण यह है कि लोग मोबाइल से अधिक प्रभु के दर्शनों पर ध्यान दें क्योंकि कई बार मोबाइल से रिकॉर्डिंग करते वक्त दूसरे श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। केदारनाथ में रील बनाने की लगातार बढ़ रही घटनाओं के बाद अब यह लगने लगा है कि इस प्रकार की हरकतों पर रोक लगाना बेहद जरूरी है, अन्यथा आज यह छोटी मोटी हरकतें भविष्य में ऐसी घटनाओं को भी अंजाम दे सकती हैं जो इस विख्यात धार्मिक स्थल की गरिमा के अनुरूप ना हो। चार धाम यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालुओं को राज्य सरकार एवं उत्तराखंड पुलिस द्वारा कई बार यह सलाह दी गई है कि वह देवभूमि की मर्यादा एवं गरिमा को बनाकर रखें अन्यथा उल्लंघन करने पर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बड़ी संख्या में मर्यादा भंग करने वाले लोगों के खिलाफ "ऑपरेशन मर्यादा" के तहत कार्रवाई भी की गई है। केदारनाथ धाम में इससे पूर्व गर्भ गृह में नोट उड़ाने का मामला भी काफी चर्चाओं में रहा है, अतः अब यह आवश्यक हो गया है कि इस धार्मिक स्थल पर कुछ सख्त व्यवस्थाएं अमल में लाई जानी चाहिए, ताकि ना केवल स्थल की गरिमा बनी रहे बल्कि नाहक के विवाद उत्पन्न ना होने पाए। श्रद्धालुओं को भी एवं इस बात से वाकिफ होना चाहिए कि वे अपने आराध्य देव के दर्शन करने जा रहे हैं ना कि मौज मस्ती के लिए वीडियोग्राफी करने। श्रद्धालुओं का यह कर्तव्य है कि वह धार्मिक स्थलों का मान सम्मान का विशेष ध्यान रखें और व्यवस्थाओं में बाधाएं उत्पन्न ना करें।

भाजपा ने अगर किसी आपात स्थिति में अजित पवार का समर्थन लिया होता तब भी सवाल उठते लेकिन उसका इतना गहरा दाग भाजपा के ऊपर नहीं लगता, जितना अभी लगा है। भाजपा के सामने कोई आपात स्थिति नहीं थी। राज्य सरकार को पूर्ण बहुमत है और आने वाले दिनों में भी कोई खतरा उत्पन्न नहीं होना है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित जिन 16 विधायकों के अयोग्य ठहराए जाने की संभावना जताई जा रही है वह भी हकीकत नहीं है क्योंकि उसमें फैसला स्पीकर को करना है, जो भाजपा के ही नेता हैं। सो, सदस्यता जाने वाली बात भी एक काल्पनिक खतरे की तरह है। तभी बिना किसी आपात स्थिति के भाजपा ने एक ऐसे नेता और एक ऐसी पार्टी को अपने साथ लिया है, जिसके बारे में उसने खुद भ्रष्टाचार की धारणा बनवाई है। प्रधानमंत्री नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी को नेशनलिस्ट करप्ट पार्टी कहते रहे हैं।

घाटे का सौदा है अजित पवार!

अजीत द्विवेदी

भाजपा के नेता खुश हैं कि महाराष्ट्र में शरद पवार की एनसीपी टूट गई। खुशी जाहिर करने वाले कई तरह के तर्क दे रहे हैं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक तर्क यह है कि विपक्षी गठबंधन बनाने के प्रयासों को इससे झटका लगेगा और महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें बढ़ेंगी। हो सकता है कि ऐसा सोचने का कोई आधार हो लेकिन राजनीति सिर्फ ऐसे हिसाब किताब से नहीं चलती है। राजनीति आज भी बुनियादी रूप से धारणा का खेल है और भाजपा इस खेल में माहिर है। तभी हैरानी हो रही है कि जिस अजित पवार के बारे में पिछले ढाई दशक से भाजपा यह धारणा बना रही थी कि वे भ्रष्टाचार का प्रतीक हैं उनको अपनी पार्टी के साथ जोड़ कर और सरकार में उप मुख्यमंत्री बना कर उसने क्या मैसेज दिया है? एनसीपी के टूटने और अजित पवार के एनडीए के साथ आने के राजनीतिक महत्व को रेखांकित कर रहे लोगों के अलावा भाजपा समर्थकों का एक बड़ा वर्ग है, जो इसके खतरों को भी रेखांकित कर रहा है। उनको लग रहा है कि भाजपा ने यह अच्छा नहीं किया।

भाजपा के विरोधियों या एनसीपी और कांग्रेस के नेताओं से ज्यादा भाजपा समर्थक पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किरीट सोमैया का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे हसन मुशरिफ के ऊपर डेढ़ हजार करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगा रहे थे। पिछले महीने मुशरिफ के चीनी मिल सहित कई परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी का छापा पड़ा था, जिसके बाद से वे अदालत से मिली अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। अंतरिम जमानत पर चल रहे हसन मुशरिफ को भाजपा की सरकार में मंत्री बना दिया गया है! विमानन घोटाले के आरोपी प्रफुल्ल पटेल भी केंद्र में मंत्री बन जाएं तो हैरानी नहीं होगी। इसी तरह भाजपा विरोधियों से ज्यादा उसके समर्थक देवेंद्र फडऩवीस का वह वीडियो वायरल कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने 'शोलेइ फिल्म का मशहूर डायलॉग दोहराते हुए कहा था कि अजित पवार जेल जाएंगे और 'जेल में चक्की पीसिंग एंड पीसिंगज्इ। उन्हीं अजित पवार को रविवार को राजभवन में उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई और देवेंद्र फडऩवीस उनका स्वागत कर रहे थे। ध्यान रहे भाजपा अजित पवार के भ्रष्ट होने की धारणा पिछले करीब ढाई दशक से बना रही है। जब पहली बार 1999 में कांग्रेस और एनसीपी की सरकार बनी थी तब से उनको भ्रष्ट ठहराया जा रहा है। किसी और पार्टी ने उन पर भ्रष्टाचार के आरोप कभी नहीं लगाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले दिनों भोपाल में जब कहा कि एनसीपी ने 70 हजार करोड़ रुपए का घोटाला किया है तो वे असल में अजित पवार की ही बात कर रहे थे।

अजित पवार के ऊपर ही 70 हजार करोड़ रुपए के सिंचाई घोटाले का आरोप लगा था और 2014 में जब देवेंद्र फडऩवीस के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी तो राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मुकदमा दर्ज किया था। नवंबर 2019 में जब फडऩवीस के साथ अजित पवार 80 घंटे के लिए उप मुख्यमंत्री बने थे तब पहले 24 घंटे के भीतर ही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सिंचाई घोटाले में क्लोजर रिपोर्ट लगा दी थी। हालांकि अदालत ने उसे अभी तक स्वीकार नहीं किया है। यह मामला अजित पवार के जल संसाधन मंत्री रहने के समय का है। जब अजित पवार ने जल संसाधन मंत्रालय छोड़ा तो उनके करीबी सुनील तटकरे इस विभाग के मंत्री बने थे। सो, पूरे सिंचाई घोटाले का आरोप अजित पवार और सुनील तटकरे के ऊपर है। अब अजित पवार उप मुख्यमंत्री बन गए हैं और सुनील तटकरे की बेटी अदिति तटकरे को भी शिंदे सरकार में मंत्री बना दिया गया है।

भाजपा ने अगर किसी आपात स्थिति में अजित पवार का समर्थन लिया होता तब भी सवाल उठते लेकिन उसका इतना गहरा दाग भाजपा के ऊपर नहीं लगता, जितना अभी लगा है। भाजपा के सामने कोई आपात स्थिति नहीं थी। राज्य सरकार को पूर्ण बहुमत है और आने वाले दिनों में भी कोई खतरा उत्पन्न नहीं होना है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित जिन 16 विधायकों के अयोग्य ठहराए जाने की संभावना जताई जा रही है वह भी हकीकत नहीं है क्योंकि उसमें फैसला स्पीकर को करना है, जो भाजपा के ही नेता हैं। सो, सदस्यता जाने वाली बात भी एक काल्पनिक खतरे की तरह है। तभी बिना किसी आपात स्थिति के भाजपा ने एक ऐसे नेता और एक ऐसी पार्टी को अपने साथ लिया है, जिसके बारे में उसने खुद भ्रष्टाचार की धारणा बनवाई है। प्रधानमंत्री नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी को नेशनलिस्ट करप्ट पार्टी कहते रहे हैं।

इस घटनाक्रम से भाजपा के सामने नैतिक, विचारधारात्मक और राजनीतिक तीनों तरह से सवाल खड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री ने पटना में जुटी सभी विपक्षी पार्टियों के ऊपर सामूहिक रूप से 20 लाख करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था, जिसमें 70 हजार करोड़ रुपए का घोटाला उनके हिसाब से एनसीपी का था। इस घोटाले के प्राथमिक आरोपी अब भाजपा के साथ हैं। सो, एक बड़ा नैतिक सवाल यह है कि भाजपा अब कैसे भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाएगी? प्रधानमंत्री कैसे यह गारंटी देंगे कि वे हर भ्रष्टाचारी पर कार्रवाई करेंगे? अगर वे गारंटी दे भी दें तो इस बात की क्या गारंटी होगी कि लोग उस पर यकीन करेंगे? हो सकता है कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के भाजपा के वादे पर यकीन नहीं करने वाले भी उसको वोट दे दें लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि इससे भाजपा की नैतिक शक्ति का कुछ और क्षरण हुआ है। उसे वोट देने वाले भी अब नहीं मानेंगे कि वह भ्रष्टाचार से लड़ रही है। इस तरह भाजपा ने खुद ही अपना और दूसरी पार्टियों का फर्क समाप्त कर लिया है। यह बात स्थायी रूप से लोगों को दिल दिमाग में दर्ज होगी।दूसरा सवाल विचारधारात्मक है। भाजपा के नेता शिव सेना और उद्धव ठाकरे पर यही आरोप लगाते थे कि वह हिंदुत्व की राजनीति करने वाली पार्टी थी, जिसने कांग्रेस और एनसीपी से तालमेल करके अपने को वैचारिक रूप से भ्रष्ट बना लिया है। इसी आधार पर शिव सेना टूटी भी थी। एकनाथ शिंदे गुट की ओर से कहा गया था कि वे एनसीपी और कांग्रेस के साथ सहज नहीं महसूस कर रहे थे इसलिए पार्टी तोड़ दी। अब सवाल है कि शिंदे गुट और भाजपा कैसे एनसीपी के साथ सहज महसूस करेंगे? जिस पार्टी के साथ विचारधारा का टकराव रहा हो उसके साथ सरकार चलाना और फिर साथ मिल कर चुनाव लडऩा क्या आसान होगा? क्या जनता बहुत सहज रूप से इस बात को स्वीकार कर लेगी कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है? अगर ऐसा है तो फिर जनता भाजपा और दूसरी पार्टियों में फर्क भी तो महसूस नहीं करेगी? तब क्या इससे कांग्रेस और दूसरी पार्टियों को वैधता नहीं मिलेगी?

जहां तक राजनीतिक सवाल है तो भाजपा को समझना चाहिए कि एनसीपी का वोट अजित पवार, छगन भुजबल या प्रफुल्ल पटेल के पास नहीं है, बल्कि शरद पवार के पास है। शिव सेना के मामले में भाजपा के नेता खुद ही इस बात को महसूस कर रहे हैं कि शिव सैनिक एकनाथ शिंदे के साथ नहीं हैं, बल्कि उद्धव ठाकरे के साथ हैं। तभी राजनीतिक रूप से शिंदे भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह गए हैं। एनसीपी के मामले में भी यह बात सही है कि शरद पवार के रहते अजित पवार पार्टी का वोट अपने साथ नहीं ला सकते हैं और न भाजपा को ट्रांसफर करा सकते हैं। तभी भाजपा के लिए यह सौदा घाटे का लग रहा है। एक खतरा यह भी है कि अगर पहले की तरह इस बार भी सारा खेल शरद पवार ने रचा हो तो घटनाएं ऐसी होंगी, जिनसे अगले साल के चुनाव तक भाजपा पूरी तरह से एक्सपोज होकर बैकफुट पर होगी। अगर यह उनका खेल नहीं है तो अजित पवार के साथ साथ शरद पवार और उनकी पार्टी भी पाक दामन हो गए हैं। वे शहीद की तरह मराठा लोगों के बीच जाएंगे और वोट मांगेंगे।

कर्नाटक: बदले की राजनीति

लोकतंत्र में राजनेता चाहे वे कितने ऊंचे पद पर हों, सिद्धांततः वे जनता के सेवक होते हैं। बहरहाल, इस सोच को अब सिर के बल खड़े कर दिया गया है और उसका खामियाजा कर्नाटक को भुगतना पड़ रहा है।

कर्नाटक सरकार की इस बात के लिए तारीफ की जाएगी कि चावल खरीद में केंद्र की ओर से डाली रुकावट को उसने अपने चुनावी वादे को पूरा ना करने का बहाना नहीं बनाया। खुले बाजार से खरीदारी की उसकी पहल पर भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने 34 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से चावल देने का निर्णय लिया था। बाद में साफ तौर पर केंद्र के दबाव के कारण एफसीआई इसे वादे से मुकर गई। तो अब कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने गरीबी रेखा के नीचे की आबादी को पांच किलो चावल के बदले उतने चावल की कीमत के बराबर की रकम सीधे लाभार्थियों के खाते में ट्रांसफर करने का फैसला किया है। वैसे सीधे अनाज देने का अलग अर्थशास्त्र होता है। उससे जहां लाभार्थी तबकों को राहत मिलती है, वहीं उससे बाजार में अनाज की कीमत नियंत्रित होती है, जबकि किसानों के लिए उपज बढ़ाने की परिस्थितियां बनती हैं। ट्रांसपोर्ट आदि पर होने वाले खर्च से अर्थव्यवस्था में अधिक रकम पहुंचती है, जिसका अतिरिक्त मांग पैदा करने में योगदान होता है। जबकि सीधे दी गई रकम का संबंधित परिवार के मुखिया दुरुपयोग भी कर सकते हैं। फिर इसका बिना उत्पादकता बढ़ाए मुद्रास्फीति बढ़ाने में योगदान हो सकता है।

लेकिन आज की केंद्र सरकार के संचालक इतनी गहरी और दूरदृष्टि से सोचने की जरूरत महसूस नहीं करते। उनके लिए राजनीतिक लाभ और राजनीति बदला सर्वोपरि है। गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान ही कह दिया था कि अगर भाजपा हारी, तो कर्नाटक के लोग प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से वंचित हो जाएंगे। इस तरह उन्होंने राज्य व्यवस्था को एक व्यक्ति का समानार्थी बताने की खुलेआम कोशिश की थी। ऐसा सिर्फ तानाशाही व्यवस्थाओं में किया जाता है। लोकतंत्र में राजनेता चाहे वे कितने ऊंचे पद पर हों, सिद्धांततः वे जनता के सेवक होते हैं। बहरहाल, इस सोच को अब सिर के बल खड़े कर दिया गया है और उसका खामियाजा कर्नाटक को भुगतना पड़ रहा है। लेकिन बात सिर्फ कर्नाटक की नहीं है। इसका संदेश दूरगामी महत्त्व का है। यह संदेश देश की संघीय व्यवस्था के लिए शुभ नहीं है।

औरंगजेब पर राजनीति क्यों?

अजय दीक्षित

यह कैसी हैरानी और विडंबना है कि स्वतंत्र और संप्रभु भारत में भी औरंगजेब के 'फैन क्लब' हैं ! सोशल मीडिया पर उसके नाम के समूह सक्रिय हैं और वे लगातार पोस्ट लिख रहे हैं, लेकिन यह पराकाष्ठा है और अस्वीकार्य भी है कि 'औरंगजेब आप सबका बाप' जुमले के बैनर और पोस्टर लिखे और लहराये जा रहे हैं। दुर्भाग्य है कि देश में एक तबका आज भी औरंगजेब को अपना 'नायक' मानता है। अदालतों के भीतर की बहस के दौरान ऐसी दलीलें दी जा रही है– औरंगजेब क्रूर और निर्दयी नहीं था। वह आक्रांता भी नहीं था। उसके कालखण्ड के दौरान मंदिरों और अन्य हिन्दू धर्मस्थलों को ध्वस्त नहीं किया गया। ऐसी दलीलों पर हैरानी होती है और हंसी भी आती है कि भारत का एक हिस्सा आज भी मज़हबी, मानसिक तौर पर गुलाम है। हम साम्प्रदायिक सौहार्द के पक्षधर हैं और हमारा संविधान भी यही सिखाता है, लिहाजा सम्प्रदाय के नाम पर भडकाए गए दंगों और हिंसक उपद्रवों पर टिप्पणी करने से हम परहेज करते हैं, लेकिन महाराष्ट्र के कोल्हापुर, अहिल्यानगर आदि इलाकों में, औरंगजेब के महिमामंडन और

आपतिजनक हिन्दू–विरोधी जुमलों के मद्देनजर, जो साम्प्रदायिक तनाव भड़का, उसकी भर्त्सना की जानी चाहिये। यह साम्प्रदायिक विभाजन का सिलसिला कब धमेगा? औरंगजेब का कालखण्ड बीते 300 साल से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है, लेकिन औरंगजेब की औलादें आज भी उसे जिंदा रखे हैं। विवादास्पद दुष्प्रचार किया गया, तो कुछ हिन्दू संगठनों ने 'बंद' का आह्वान किया। नतीजतन साम्प्रदायिकता भिड़ पड़ी और पुलिस को लाठीचार्ज कर माहौल को सामान्य करना पड़ा।

21वीं सदी के भारत में औरंगजेब क्यों और किस तरह प्रासंगिक है? मुगल बादशाहत को खत्म हुये सदियां बीत चुकी हैं। ब्रिटिश साम्राज्य की चूलें भी हमने हिला दी और आज हम एक आजाद मुल्क हैं। इतिहास में मुर्दों को जिंदा रहने दें और अतीत को दर्ज करते रहें, लेकिन औरंगजेब को 'देश का बाप' मानने और प्रचारित करने का औचित्य क्या है? क्या मुगल भारतीय मुसलमानों के वंशज थे? मुगल बादशाहों ने अपनी ही जमात पर भी खूब जुल्म ढाए थे, क्या मुसलमानों को ये तथ्य ज्ञात नहीं हैं?

वाराणसी की कथित ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मभूमि– ईदगाह मस्जिद विवाद अदालतों के विचाराधीन हैं। दोनों ही ऐतिहासिक साक्ष्य हैं कि औरंगजेब ने मंदिरों का विध्वंस किया और मस्जिदें बनवाई थीं। बदकिस्मती है कि हमें आज भी अपने आस्था–स्थलों के संरक्षण के लिए कानूनी लड़ाई लडऩी पड़ रही है। इतिहास में ब्यौरे दर्ज हैं कि औरंगजेब ने राजस्थान के चित्तौडगढ़ में ही 63 हिन्दू मंदिरों को तुड़वा कर 'मलबा' बनवा दिया था। 1669 में औरंगजेब के आदेश पर ही काशी का मंदिर तोड़ा गया और ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई गई। मालवा की तत्कालीन महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1780 में मंदिर का पुनर्निर्माण कराया था, जिसे आज हम 'काशी विश्वनाथ मंदिर' के तौर पर जानते हैं। औरंगजेब कितना मानवीय अथवा क्रूर था, उसका एक ही उदाहरण पर्याप्त है। उसने सिखों के नवें गुरु तेगबहादुर जी का सिर धड़ से अलग करवा दिया था। उसी स्थान पर शीशगंज गुरुद्वारा बना है, लेकिन हमारी गुलाम मानसिकता देखिए कि पास में ही औरंगजेब रोड' भी बनी है। औरंगजेब ने हमारे प्राचीन देश पर करीब 50 साल हुकूमत की। उस दौरान कितने मंदिर तोड़े होंगे, कितनी हत्याएं की होंगी, इसका ठोस, प्रामाणिक इतिहास उपलब्ध नहीं है, लेकिन औरंगजेब, बाबर, अकबर, जहांगीर, शाहजहां सरीखे बादशाहों को आज भी स्मरण करने का औचित्य क्या है? क्या उन्होंने हिन्दुस्तान के गौरव और गर्व के लिए ऐसा कोई योगदान दिया था।

दुश्चक्र में फंसा फ्रांस

राजनीति से जब रोजी–रोटी समेत रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े अन्य मुद्दों को गायब किया जाता है, तो उसका क्या नतीजा होता है, फिलहाल फ्रांस उसका एक खास उदाहरण बना हुआ है।

फ्रांस लंबे समय तक अपनी जन–कल्याणकारी व्यवस्था और आधुनिक लिबरल उसूलों के लिए जाना जाता रहा। लेकिन कुछ समय पहले वहां के राजनीतिक विमर्श में सांप्रदायिक और नस्लवादी मुद्दों को महत्त्व देने की जो होड़ लगी, उसने वहां के समाज की हालत तीसरी दुनिया के किसी देश की तरह बना दी है। पेरिस के एक उपनगर में 17 साल के लड़के की पुलिस की गोली से हुई मौत के बाद जैसी हिंसा और अफरातफरी का शिकार फ्रांस हुआ है, उस बारे में कभी सोचना भी मुश्किल था। राजनीति से जब रोजी–रोटी समेत रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े अन्य मुद्दों को गायब किया जाता है, तो उसका क्या नतीजा होता है, फिलहाल फ्रांस उसका एक खास उदाहरण बना हुआ है। यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पिछले लगभग दो दशक से फ्रांस की राजनीति धुर दक्षिणपंथ बनाम उदारवाद की बहस में सिमटी रही है। पूर्व राष्ट्रपति यॉक शिराक के जमाने से धुर दक्षिणपंथ को रोकने के लिए कंजरवेटिव, उदारवादी और यहां तक कि वामपंथी ताकतें एक मंच पर एकजुट होती रही हैं।

इस दौरान सारी बहस नस्ल, इस्लामोफोबिया, आव्रजन और एलजीबीटीक्यू अधिकार जैसे मसलों पर सिकुड़ती चली गई है। ऐसे मुद्दों पर बहस भावनात्मक रूप लेती है और फिर ध्रुवीकरण और प्रति–ध्रुवीकरण का ऐसा दौर चलता है, जो समाज को एक दुश्चक्र में फंसा देता है।

फ्रांस स्पष्टतः ऐसे दुश्चक्र में फंस गया है। अभी कुछ समय पहले फ्रांस की सड़कों पर पेंशन नियम बदलने के लिए बनाए गए कानून को लेकर अफरातफरी मची थी। उसके पहले ईंधन की कीमत बढऩे से परेशान लोगों के येलो वेस्ट मूवमेंट का नजारा था। बीच–बीच में आतंकवाद का साया भी देश पर पड़ता रहा। जवाब में पुलिस और सुरक्षा बल अधिक बेरहम होते गए। फिलहाल, एक नौजवान की पुलिसकर्मियों के हाथों हत्या वह तिली बनी, जिसने सुलगते माहौल को लपटों में तब्दील कर दिया। 2017 के एक कानून के तहत फ्रांस में प्रावधान किया गया था कि अगर पुलिस ने किसी गाड़ी को रोकना चाहा, लेकिन ड्राइवर नहीं रुका, तो पुलिस गोली चला सकती है। तो पुलिस ने बेखौफ होकर गोली चलाई, जिससे अब पूरा समाज खौफ में पहुंच गया है।

क्या आपको भी दिनभर लगती है थकान और सताती है नींद, हो सकती है किडनी की बीमारी, जानिए ये लक्षण

स्वस्थ शरीर के लिए जरूरी है कि शरीर के सभी अंग पूरी तरह स्वस्थ होकर काम करें. लेकिन कई बार जानकारी के अभाव में हम अपने जरूरी अंगों की बीमारी के बारे में जान ही नहीं पाते और बीमार हो जाते हैं. कुछ ऐसा ही किडनी को लेकर होता है. देखा जाए तो किडनी हमारी बॉडी के बहुत जरूरी अंगों में से एक है क्योंकि ये पूरे शरीर के ब्लड को फिल्टर करने के साथ साथ शरीर को डिटॉक्स करने का जरूरी काम भी करती है. ऐसे में अगर किडनी की बीमार हो जाए तो शरीर कई बीमारियों के साथ साथ ब्लड इंफेक्शन और पॉइजनिंग का भी शिकार हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि किडनी के कमजोर और खराब होने के लक्षणों की पहचान सही समय पर हो सके ताकि शरीर खतरे से बाहर रहे. चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ लक्षणों के बारे में जो किडनी के खराब होने के संकेत देते हैं. अगर आपको लगातार थकान रहती है या फिर शरीर में हर वक्त कमजोरी फील होती है तो इसे सामान्य बात समझकर इग्नोर करना सही नहीं है. ये आपकी किडनी के खराब होने का एक प्राथमिक लक्षण हो सकता है।

सेहत के बारे में बहुत कुछ बताते हैं दांत, इन 5 संकेतों को न करें नजरअंदाज

दांतों में संवेदनशीलता, नसों में संक्रमण और मसूड़ों की बीमारी आदि दर्दनाक समस्याएं पैदा कर सकती हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि दांतों की समस्याएं शरीर में होने वाली किसी बड़ी बीमारी का संकेत भी हो सकती हैं? मौखिक स्वच्छता का ध्यान रखने से न केवल दांत स्वस्थ रहते हैं, बल्कि हमें समग्र रूप से स्वस्थ रहने में भी मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं कि दांत सेहत के बारे में क्या–क्या बताते हैं।

दांतों का किटकिटाना हो सकता है स्लीप एपनिया का संकेत

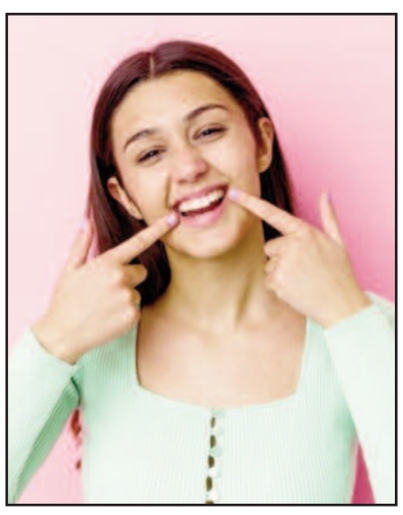

स्लीप एपनिया नींद से जुड़ी एक ऐसी बीमारी है, जिसके कारण व्यक्ति को सोते वक्त सांस लेने में मुश्किल होती है और उसकी रात में बार–बार नींद खुलती है। इसके सामान्य लक्षणों में खर्राटे लेना, दांत किटकिटाना और सोते समय सांस लेने में हांफना शामिल हैं। अगर इसके उपचार पर ध्यान न दिया जाए तो हाई ब्लड प्रेशर, लीवर की समस्याएं और यहां तक कि मनोभ्रंश जैसी गंभीर स्थितियां पैदा हो सकती हैं।

पीले मसूड़े हो सकते हैं एनीमिया का लक्षण

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है, जो आयरन की कमी या फिर शरीर के लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण नहीं करने के कारण होती है। इससे आप काफी कमजोर और थका हुआ महसूस कर सकते हैं। मेनोपॉज के बाद महिलाओं में पुरुषों की तुलना में एनीमिया का खतरा अधिक होता है क्योंकि वे अधिक आयरन खो देती हैं। एनीमिया के अलावा कई अन्य चिकित्सीय स्थितियों के कारण भी मसूड़े के ऊतकों का रंग हल्का गुलाबी–सफेद हो सकता है।

दांतों का खराब होना किडनी की बीमारी का भी हो सकता है संकेत

जब किसी को किडनी की बीमारी होती है तो उसे मुंह में समस्या हो सकती है। इसके कारण मुंह में घाव होना, चीजों के स्वाद में बदलाव महसूस होना और पर्याप्त लार नहीं बनने के कारण मुंह सूखना जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। जब मुंह सूख जाता है तो यह अधिक अम्लीय हो जाता है, जिससे दांतों में गंभीर सडऩ हो सकती है और इसके परिणामस्वरूप दांत खराब हो सकते हैं।

एचआईवी का लक्षण है ओरल थ्रश

मुंह में फंगल होने की समस्या को चिकित्सक भाषा में ओरल थ्रश कहा जाता है। यह एक तरह का संक्रमण है, जो कैंडिडा नामक फंगस के कारण होता है और इसके कारण मुंह के अंदर घाव और खाना निगलने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। यह संक्रमण एचआईवी से ग्रस्त लोगों में होना सामान्य माना जाता है, इसलिए अगर आपके मुंह में फंगल हो तो इसे हल्के में ना लेकर डॉक्टर से संपर्क करें।

ऑस्टियोपोरोसिस का संकेत हो सकता है दांतों का ढीला होना

हो सकता है कि कुछ लोगों को इस बात का पता न हो, लेकिन हमारे दांतों के आसपास की हड्डी उन्हें सहारा देने के लिए नींव का काम करती है। ऐसे में अगर किसी भी कारणवश ऑस्टियोपोरोसिस होता है तो इसका दांतों की पकड़ पर बुरा असर पड़ता है। ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जिसके कारण हड्डियां इतनी कमजोर हो जाती हैं कि एक सामान्य छींक आने से कूल्हे, रीढ़ और कलाई में फ्रैक्चर हो सकता है।

पूर्व आईएएस रामविलास यादव पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, 20 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति अटैच

देहरादून। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भ्रष्टाचार के आरोपी पूर्व आईएएस रामविलास यादव के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में यादव और उनके परिवार की 20 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को अटैच किया गया है। इनमें 18 करोड़ रुपये की चल और दो करोड़ रुपये से अधिक की अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश के लखनऊ और उत्तराखंड के देहरादून में की है।

गौरतलब है कि सरकार के आदेश पर विजिलेंस ने आईएएस (अब सेवानिवृत्त) रामविलास यादव की जांच की थी। सामने आया कि यादव की वर्ष 2013 से 2016 के बीच ज्ञात स्त्रोतों से कमाई 78 लाख रुपये थी। जबकि, यादव ने इस दरम्यान 21.40 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

इस धन से लखनऊ और देहरादून में कई संपत्तियां जोड़ी थीं। इनके संबंध में जब विजिलेंस ने यादव से जवाब मांगा तो कोई उत्तर नहीं मिला। पिछले साल सेवानिवृत्त होने से सात दिन पहले 23 जून को करीब नौ घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। विजिलेंस ने चार्जशीट में यादव की संपत्ति को ज्ञात स्त्रोत से 2626 प्रतिशत अधिक बताया था।

इस मामले में पिछले दिनों ईडी ने भी जांच शुरू की थी। 19 मई को ईडी ने सुद्धोवाला जेल से उनकी औपचारिक गिरफ्तारी की थी। 23 मई को यादव को चार दिन की कस्टडी में लिया गया।

इस दौरान लखनऊ और देहरादून में पूछताछ की गई। सभी संपत्तियों की मौके पर जाकर ईडी ने जांच की। ईडी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में यादव की संपत्तियों को अटैच करने की जानकारी दी गई है। ईडी के अनुसार, अवैध रूप से कमाए गए धन से यादव ने परिवार के सदस्यों के नाम पर चार जमीनें और एक फ्लैट खरीदा था।

इसके अलावा लखनऊ में अपने घर, जनता विद्यालय, गुडंबा, लखनऊ भवन समूह और स्व. रामकरन दादा मेमोरियल ट्रस्ट गाजीपुर की इमारतों को बनाने में भी इस धन का प्रयोग किया है। ईडी ने उनके परिवार के सदस्यों की 18.33 करोड़ रुपये की चल और लगभग 2.03 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को अटैच किया है। अचल संपत्तियों में विभिन्न बैंकों में परिवार के नाम की एफडी शामिल हैं। जबकि, अचल संपत्तियों में पैतृक गांव की जमीन शामिल है।

ईडी अभी यादव की संपत्तियों की जांच कर रही है। ईडी के अनुसार, उनकी और भी संपत्तियों को अटैच किया जा सकता है। बता दें कि रामविलास यादव ने देहरादून में भी छह प्लॉट खरीदे थे। वह उत्तर प्रदेश प्रशासनिक सेवा के अधिकारी थे। आईएएस बनने के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रहे। कई साल तक उत्तराखंड में समाज कल्याण विभाग के अपर सचिव भी रहे।

एमपी के गृहमंत्री का ऐलान, सीधी पेशाबकांड के आरोपी प्रवेश शुक्ला के घर पर चलेगा बुलडोजर

भोपाल , एजेंसी । मानसिक रूप से विक्षिप्त आदिवासी युवक के ऊपर पेशाब करने वाले आरोपी प्रवेश शुक्ला को लेकर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बड़ी कार्यवाही की बात कही है। उन्होंने कहा कि आरोपी के अतिक्रमण पर बुलडोजर चलेगा।

सीधी में हुए पेशाब कांड को लेकर मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि इस मामले में कानून अपना काम कर रहा है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना बहुत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि यहां भाजपा की सरकार और कानून का राज है। घटना मुख्यमंत्री के संज्ञान में आते ही ह्रऋ (एनएसए) लगाने की कार्रवाई की गई। आरोपी की रात में ही गिरफ्तारी हो गई थी और अब अतिक्रमण पर बुलडोजर चलेगा।बताया जा रहा है कि ये वीडियो 9 दिन पुराना है, जो कुबरी बाजार का है।

भारत ने एससीओ बैठक में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल का फिर किया विरोध

नई दिल्ली , एजेंसी । भारत ने वर्चुअल एससीओ शिखर सम्मेलन के समापन पर जारी दिल्ली घोषणा में चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिवइ (बीआरआई) के प्रति अपना विरोध दोहराया। घोषणा में कहा गया कि भारत को छोड़कर एससीओ के अन्य सभी सदस्य देशों ने बीआरआई को अपना समर्थन दोहराया है।

घोषणापत्र में कहा गया, चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करते हुए कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने संयुक्त रूप से इस परियोजना को लागू करने के लिए चल रहे काम पर ध्यान दिया, जिसमें यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन और बीआरआई के निर्माण को जोडने् के प्रयास भी शामिल हैं।

इससे पहले एससीओ शिखर सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विवादास्पद बीआरआई परियोजना का सीधे जिक्रकिए बिना कहा था कि क्षेत्र की प्रगति के लिए मजबूत कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है, लेकिन साथ ही क्षेत्रीय सदस्य राष्ट्रों की अखंडता.बनाए रखना भी आवश्यक है।

मोदी ने कहा, मजबूत कनेक्टिविटी किसी भी क्षेत्र की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। बेहतर कनेक्टिविटी न केवल आपसी व्यापार को बढ़ाती है, बल्कि आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देती है। हालांकि, इन प्रयासों में, एससीओ चार्टर के बुनियादी सिद्धांतों को बनाए रखना आवश्यक है, विशेष रूप से संप्रभुता का सम्मान करना और सदस्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता।प्रधानमंत्री ने उसी समय यह भी कहा कि एससीओ में ईरान की सदस्यता के बाद (यह आभासी शिखर सम्मेलन में समूह के नौवें सदस्य के रूप में शामिल हुआ), हम चाबहार बंदरगाह के उपयोग को अधिकतम करने की दिशा में काम कर सकते हैं।

अमेरिका के टेक्सास में गोलीबारी में तीन की मौत, आठ घायल

ह्यूस्टन , एजेंसी । अमेरिका के टेक्सास प्रांत के डाउनटाउन फोर्ट वर्थ में गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। फोर्ट वर्थ पुलिस विभाग ने एक बयान में कहा, पीड़ितों में 10 वयस्क और एक किशोर था।

पुलिस ने बताया कि अधिकारी आधी रात से ठीक पहले कोमोफेस्ट नामक वार्षिक सामुदायिक सभा के दौरान गोलीबारी की रिपोर्ट मिलने पर जब घटना स्थल पर पहुंचे तो उन्होंने पाया कि पार्किंग में कई लोगों को गोली लगी है।

फोर्ट वर्थ पुलिस विभाग के प्रवक्ता कैप्टन शॉन मरे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, बहुत से लोग गोलियों की आवाज के बाद वहां से भागने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए अधिकारियों के लिए इलाके में जल्दी से नेविगेट करना मुश्किल था। एक व्यक्ति को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया और दो अन्य को बाद में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि कम से कम आठ अन्य लोग घायल हो गए हैं। उनका क्षेत्रीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है। उनकी स्थिति तत्काल स्पष्ट नहीं थीं। मंगलवार सुबह तक, गोलीबारी के संबंध में किसी भी संदिग्ध की पहचान नहीं हो पाई थी और कोई भी संभावित मकसद स्पष्ट नहीं था।

वेस्ट बैंक में बढ़ते तनाव के बीच गाजा उग्रवादियों ने इजराइल पर पांच रॉकेट दागे

यरूशलम , एजेंसी। गाजा पट्टी में उग्रवादियों ने तड़के दक्षिणी इजरायल पर पांच रॉकेट दागे, जिन्हें इजरायल की आयरन डोम हवाई रक्षा प्रणाली ने नष्ट कर दिया। इजरायली सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी।

रॉकेट दागने से गाजा की सीमा से लगे सडेरोट शहर और तटीय फिलिस्तीनी क्षेत्र के आसपास के इलाकों में चेतावनी के सायरन बजने लगे। सोशल मीडिया पर वीडियो फुटेज में स्थानीय निवासियों को आश्रय की तलाश में भागते हुए दिखाया गया है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, किसी के घायल होने या क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है।

इजरायली सेना ने बयान में पुष्टि की कि गाजा पट्टी की ओर से आ रहे पांच प्रक्षेपणों की पहचान की गई थी। उसने कहा कि आयरन डोम ने सभी रॉकेट प्रक्षेपणों को सफलतापूर्वक रोक दिया।

नाटो ने महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग का कार्यकाल बढ़ाया

ब्रुसेल्स , एजेंसी । नाटो सहयोगियों ने महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग के कार्यकाल को एक साल और बढ़ाकर 1 अक्टूबर 2024 तक करने पर सहमति व्यक्त की है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विलनियस शिखर सम्मेलन में नाटो के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों द्वारा इस निर्णय का समर्थन किया जाएगा।

सहयोगियों ने महासचिव को उनके नेतृत्व और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया, जो अभूतपूर्व सुरक्षा चुनौतियों के सामने ट्रान्स–अटलांटिक एकता को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर कार हादसे का शिकार, बाल–बाल बची जान

मेरठ , एजेंसी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार एक भीषण कार दुर्घटना में बाल–बाल बच गए हैं। इस दुर्घटना के समय कार में उनका बेटा भी मौजूद था। ये कार दुर्घटना बीती रात मेरठ में हुई थी। एक तेज रफ्तार ट्रक ने प्रवीण कुमार की गाड़ी में टक्कर मारी थी जिस वजह से ये दुर्घटना हुई।जानकारी के अनुसार, ये एक्सीडेंट तब हुआ जब प्रवीण कुमार मंगलवार रात पांडव नगर से आ रहे थे।

देश को मिले 13430 नए चार्टर्ड अकाउंटेंट

नई दिल्ली , एजेंसी । 'द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडियाइ (आइसीएआइ) ने सीए फाइनल और इंटरमीडिएट मई 2023 परीक्षाओं के नतीजों की घोषणा कर दी है। इस बार सीए फाइनल परीक्षाओं में प्रदर्शन के आधार पर 13,430 स्टूडेंट्स को सफल घोषित किया है। इस बार की सीए फाइनल परीक्षाओं में अहमदाबाद के जैन अक्षय रमेश ने टॉप किया है। इंटर में हैदराबाद के वाई गोकुल ने टॉप किया है। इससे पहले संस्थान ने सीए फाइनल रिजल्ट मई 2023 और सीए इंटर रिजल्ट मई 2023 की तारीख की जानकारी हाल ही नोटिस जारी कर दी थी। आइसीएआइ की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक परिणाम फाइनल और इंटर मई परीक्षाओं के परिणाम बुधवार को घोषित किए जाने थे।नतीजे आईसीएआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए गए हैं।

ज्ञानवापी परिसर में उर्स और मजार पर चादर चढ़ाने की मांग पर अगली सुनवाई 11 अगस्त को

वाराणसी, एजेंसी। ज्ञानवापी परिसर में मजार पर चादरपोशी और उर्स की मांग की सुनवाई अब 11 अगस्त को होगी। ये मामला सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फास्ट ट्रैक कोर्ट महेंद्र कुमार पांडेय की अदालत में चल रहा है। बुधवार को मामले में पक्षकार राखी सिंह की तरफ से आपत्ति दाखिल करने के लिए समय की मांग के साथ ही स्थगन आवेदन दिया गया।

जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए सुनवाई की अगली तारीख 11 अगस्त तय किया। इस वाद में ज्ञानवापी में उर्स करने और मजार पर चादर चढ़ाने की मांग की गई है।

लोहता निवासी मुख्तार अहमद अंसारी, कच्चीबाग निवासी अनीसुर रहमान और तीन अन्य ने लोगों ने इस मामले में वाद दाखिल कर राज्य सरकार, अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी, डीएम वाराणसी और सीपी वाराणसी को पक्षकार बनाया था।

प्रार्थना पत्र के जरिए उन्होंने अदालत से मांग की थी कि ज्ञानवापी परिसर स्थित दृश्य व अदृश्य मजार पर चादर चढ़ाने और फातिहा पढ़ने के साथ ही वहां पर सालाना उर्स का आयोजन करने के अधिकार से उनको वंचित न किया जाए।

पंजाब में फिर साथ आएंगे अकाली–भाजपा !, सुनील जाखड़ की नियुक्ति के बाद मिले संकेत

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल और भाजपा में एक बार फिर गठबंधन हो सकता है। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष पद पर सुनील जाखड़ की नियुक्ति के बाद से दोनों दलों के बीच दोस्ती बहाल होने का संकेत मिला है।

इसी बीच अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने छह जुलाई को दोपहर 12 बजे चंडीगढ़ स्थित कार्यालय में पार्टी के सभी जिला अध्यक्षों और सभी हलका प्रभारियों की बैठक बुलाई है। पार्टी राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करेगी और पार्टी की भविष्य की रणनीति तैयार करेगी।

भाजपा ने पंजाब में पहले की तरह अकाली दल से गठबंधन कर हिंदू–सिख भाईचारा की नीति पर चलने का संकेत दिया है। सूत्रों का कहना है कि जल्द होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में अकाली दल की हरसिमरत कौर फिर से केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होंगी। वहीं चर्चा ये भी है कि इस बार अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल को केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है।

शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के बीच 1996 में गठबंधन हुआ था। अकाली दल एनडीए के सबसे पुराने साथियों में से था। 2021 में तीन कृषि कानूनों के विरोध में हुए किसान आंदोलन के कारण दोनों ने अपने रिश्ते खत्म कर दिए थे। इसी साल अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। तभी से दोनों दलों के गठबंधन की चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि जालंधर उपचुनाव दोनों ने अलग अलग ही लड़ा।

कर्नाटक में वंदे भारत पर पथराव करने के आरोप में दो लड़के हिरासत में

दावणगेरे , एजेंसी । धारवाड़ और बेंगलुरु शहरों के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव करने के मामले में रेलवे अधिकारियों ने दो नाबालिग लड़कों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारियों ने कहा कि नाबालिगों को चित्रदुर्ग के पर्यवेक्षण गृह में रखा गया है। लड़के एसएस नगरा और बाशा नगरा के रहने वाले हैं। घटना एक जुलाई की है। पथराव में ट्रेन की खिड़की के शीशे में दरारें आ गई थी। दूसरी वंदे भारत ट्रेन की सेवा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 जून को हरी झंडी दिखाई थी। इस घटना से यात्रियों और अधिकारियों में चिंता बढ़ गई थी।

अमरनाथ यात्रा : चौथे दिन 13,000 से अधिक लोगों ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर , एजेंसी । अमरनाथ यात्रा के चौथे दिन 13,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने यात्रा पूरी की, जबकि 6,107 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था बुधवार को जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को 13,000 से अधिक यात्रियों ने पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के अंदर दर्शन किए। यात्रा शुरू होने के बाद 1 जुलाई से अब तक कुल 50,000 से अधिक यात्रियों ने तीर्थयात्रा की है। अधिकारियों ने कहा, 4,680 पुरुषों; 1,203 महिलाओं; 31 बच्चों, 154 साधुओं और 39 साध्वियों सहित 6,107 यात्रियों का एक और जत्था आज सुबह 244 वाहनों के काफिले में भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ।यात्री या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से हिमालय गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं, जिसमें पहलगाम बेस कैंप से 43 किलोमीटर की चढ़ाई होती है या उत्तरी कश्मीर बालटाल बेस कैंप से 13 किलोमीटर की चढ़ाई करते हैं। पारंपरिक पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में 3–4 दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित गुफा मंदिर के अंदर 'दर्शनइ करने के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। गुफा मंदिर में एक बर्फ की संरचना है जिसके बारे में भक्तों का मानना है कि यह भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। बर्फ के स्टैलेग्माइट की संरचना चंद्रमा की कलाओं के साथ घटती और बढ़ती रहती है। इस वर्ष की 62 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई और 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी। तीर्थयात्रियों को ऊंचाई पर होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए अधिकारियों ने यात्रा के दोनों मार्गों पर स्थापित 'लंगरोंइ में सभी जंक फूड पर प्रतिबंध लगा दिए हैं।

पहाड़ से उतरी मौत! दो लोगों की लील गई जिंदगी

कोहिमा , एजेंसी । नगालैंड के चुमौकेदिमा जिले में बीती शाम को एक पहाड़ से बड़ी चट्टानें खिसकने से एक कार कुचल गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने कहा कि लगातार भारी बारिश के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग–29 पर पटकाई पुल के पास विशाल विशाल चट्टानें फिसल गईं और कार को कुचल दिया, जिससे एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक अन्य ने दम तोड़ दिया।

विशाल चट्टानों ने तीन और कारों को भी टक्कर मार दी, जिससे वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

बिहार में ठगी का अनोखा मामला, शादी कर ससुराल वालों से ऐंठता था पैसा

दरभंगा , एजेंसी । बिहार के दरभंगा जिले में ठगी का एक अजीबो–गरीब मामला सामने आया है जहां एक युवक शादी कर ससुराल वालों से पैसे की ठगी करता है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार व्यक्ति अब तक चार शादी कर चुका है। पुलिस के मुताबिक, बहेरी थाना पुलिस ने समधपुरा की एक महिला द्वारा दर्ज प्राथमिकी के मामले में ठगी के आरोप में खगडिय़ा जिले के मोकराही थाना क्षेत्र के रसौक नवटोलिया निवासी सियाराम शर्मा को गिरफ्तार किया है।

इस मामले का खुलासा तब हुआ जब समधपुरा की रहने वाली एक महिला ने अपने ही दामाद पर ठगी का आरोप लगाते हुए बहेरी थाना में मामला दर्ज करवाया। आरोप लगाया गया कि दामाद ने दहेज के दो लाख रुपये ठग लिए, इसके बाद उसने दिल्ली में व्यवसाय करने के नाम पर 20 लाख रुपये कर्ज के रूप में लिया। इसके बाद सात लाख रुपये इलाज के नाम पर ठगी की।

पीड़िता ने हिंदू रीति– रिवाज से अपनी पुत्री की शादी 2020 में खगडिय़ा जिले के मोकराही थाना क्षेत्र के रसौक नवटोलिया निवासी जनार्दन मिस्त्री के पुत्र सियाराम शर्मा से सिमरदह शिवस्थान में की थी। शादी के बाद मनीषा एक बच्ची की मां बनी। इस मामले में पुलिस ने जब आरोपी को गिरफ्तार किया तो पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया।

पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपी अब तक कम से कम चार शादियां कर चुका है और सभी ससुराल वालों से ठगी करता है। पुलिस की जांच में अब तक वह ससुरालवालों से दहेज, व्यवसाय व इलाज के बहाने काम से कम 32 लाख रुपये की ठगी कर चुका है।

पुलिस की जांच और आरोपी के स्वीकारोक्ति बयान में अब तक जो बातें सामने आई है उसके अनुसार आरोपी ने खगडिय़ा जिले के बखरी थाना के रिंकू देवी से पहली शादी की थी, जिससे दो पुत्र भी हैं। दूसरी शादी समधपुरा के मनीषा से की जबकि तीसरी शादी बिरौल थाना के पोखराम निवासी छोटी देवी से की। इसके भी दो बच्चे हैं।

डीईआरसी अध्यक्ष शपथ टला, सुप्रीम कोर्ट 11 जुलाई को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली , एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति उमेश कुमार को दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के अध्यक्ष के पद की शपथ को अगली सुनवाई 11 जुलाई तक के लिए टालने का मंगलवार को निर्देश दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने दिल्ली सरकार की याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने उपराज्यपाल द्वारा न्यायमूर्ति कुमार की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 11 जुलाई को करेगी।शीर्ष अदालत के समक्ष दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने दलील देते हुए कहा कि उनकी (दिल्ली सरकार) की सहमति के बिना न्यायमूर्ति कुमार को डीईआरसी के अध्यक्ष पद पर नियुक्त करना उपराज्यपाल का एकतरफा फैसला कानून सम्मत नहीं है।सिंघवी ने अदालत के समक्ष सवाल किया कि जब डीईआरसी के अध्यक्ष का वेतन और अन्य भुगतान दिल्ली सरकार द्वारा वहन किया जाता है तो उसे (सरकार को) नियुक्ति की अनुमति क्यों नहीं दी जानी चाहिए।

बदलेगी चंबल की पहचान, घोषित होगा डॉल्फिन अभयारण्य

आगरा , एजेंसी । कभी डाकुओं के पनाहगार के रूप में कुख्यात चंबल की पहचान अब बदलने वाली है। सरकार इसे डॉल्फिन अभयारण्य के रूप में घोषित कर पर्यटकों को आकर्षित करने जा रही है। इसके लिए राष्ट्रीय चंबल सेंचुअरी प्रोजेक्ट की उप वन संरक्षक (वन्यजीव) आरुषि मिश्रा ने एक प्रस्ताव शासन को भेजा है।

डॉल्फिन अभयारण्य के लिए इटावा स्थित राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी के सहसों क्षेत्र का चयन किया है जहां बड़ी संख्या में डॉल्फिन पाई जाती हैं। आगरा में ताजमहल देखने आने वाले पर्यटक और वन्यजीव प्रेमी चंबल सेंचुअरी के साथ अब जल्द ही डॉल्फिन सफारी का भी आनंद ले सकेंगे।

इटावा स्थित चंबल सेंचुरी के सहसों के 20 किलोमीटर क्षेत्र में बड़ी संख्या में डॉल्फिन पाई जाती है। यहां पर इनकी संख्या में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। राष्ट्रीय चंबल सेंचुअरी प्रोजेक्ट की उप वन संरक्षक (वन्यजीव) आरुषि मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन के संरक्षण के लिए डॉल्फिन अभयारण्य का एक प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इटावा स्थित राष्ट्रीय चंबल सेंचुअरी के सहसों क्षेत्र को डॉल्फिन सेंचुरी के लिए चयन किया है। इसमें उन्होंने इटावा के सहसों का 20 किलोमीटर का दायरा चिह्नित किया है। इस स्थान पर 50 से 80 के करीब डॉल्फिन हैं। सैलानी यहां बैठकर डॉल्फिन को देख सकेंगे।

इस बार राष्ट्रीय चंबल सेंचुअरी प्रोजेक्ट के बाह और इटावा रेंज में 171 डॉल्फिन रिकॉर्ड की गई हैं जबकि साल 2012 के सर्वे में उनकी संख्या महज 78 थी।

आरुषि मिश्रा ने बताया कि साल 1979 में घोषित राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य 635 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला है। इसका विस्तार मध्य प्रदेश, राजस्थान व उत्तर प्रदेश तक है। इसमें साल 2008 से घडिय़ालों की प्राकृतिक हैचिंग हो रही है। परिणाम स्वरूप उनकी संख्या भी 2,176 पर पहुंच गई है। इनके अलावा 878 मगरमच्छ के साथ उत्तर प्रदेश के इटावा तक करीब छह हजार दुर्लभ प्रजाति के कछुए पाए जाते हैं। वहीं, चंबल सेंचुअरी में संरक्षित राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन का कुनबा भी बढ़ा है।उप वन संरक्षक ने बताया कि डॉल्फिन सफारी के लिए भारत सरकार ने दो स्थानों को प्रमुखता दी है। बीते दिनों वाराणसी और चंबल का प्रजेंटेशन भारत सरकार के सामने हो चुका है। चंबल की वास्तविक स्थिति देख सभी खुश थे। यह इको टूरिज्म और डॉल्फिन संरक्षण की दिशा में भी सरकार का बड़ा कदम है।

गौरतलब है कि गंगा नदी में पायी जाने वाली डॉल्फिन भारत की राष्ट्रीय जलीय जीव है। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहर सिंह ने 5 अक्टूबर 2009 को डॉल्फिन को राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया था। इसके बाद से राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा हर वर्ष 5 अक्टूबर को गंगा डॉल्फिन दिवस के रूप में मनाया जाता है। बता दें कि 2012 में प्रदेश की नदियों में डॉल्फिन की हुई गणना में डॉल्फिन की संख्या 671 थी, जिसमें से 78 चंबल में थीं। इस समय राष्ट्रीय चंबल सेंचुअरी क्षेत्र के बाह रेंज में 24 और इटावा रेंज में 147 डॉल्फिन हैं।

ईरान ने यूरोप के साथ हालिया परमाणु वार्ता को रचनात्मक बताया

तेहरान , एजेंसी । ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर–अब्दुल्लाहियन ने कहा है कि 2015 के परमाणु समझौते के पुनरुद्धार पर यूरोपीय दलों के साथ हालिया बातचीत स्पष्ट और रचनात्मक रही।अमीर–अब्दुल्लाहियन ने यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल के साथ एक फोन कॉल में परमाणु समझौते को बचाने के लिए हुई बातचीत पर टिप्पणी के दौरान यह बात कही। इस परमाणु समझौते को औपचारिक रूप से संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है।उन्होंने आम समझ हासिल करने के उद्देश्य से ईरान और यूरोप के बीच निरंतर बातचीत के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि बोरेल और यूरोपीय संघ के उप विदेश नीति प्रमुख एनरिक मोरा ने खाड़ी परमाणु वार्ता में रचनात्मक भूमिका निभाई है।

विश्व कप क्वालीफायर में हार के बाद, आयरलैंड के कप्तान बालबर्नी ने एकदिनी और टी—20 टीम की कप्तानी छोड़ी

हरारे, आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर 2023 में आयरलैंड के अभियान की समाप्ति और सुपर सिक्स चरण तक पहुंचने में उनकी विफलता के बाद, कप्तान एंड्रयू बालबर्नी ने तत्काल प्रभाव से एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है।

क्रिकेट आयरलैंड ने घोषणा की कि पॉल स्टर्लिंग अंतरिम आधार पर कप्तान की भूमिका निभाएंगे। 32 वर्षीय बालबर्नी ने 2019 के अंत में बागडोर संभालने के बाद से सभी प्रारूपों में 89 मैचों (चार टेस्ट, 33 वनडे और 52 टी20ई) में अपने देश का नेतृत्व किया है।

अपने फैसले के बारे में बोलते हुए, बालबर्नी ने कहा, काफी सोच–विचार के बाद, मैंने वनडे और टी20ई कप्तान का पद छोडऩे का फैसला किया है। पिछले कुछ वर्षों में इस टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए बड़े सम्मानों में से एक रहा है और मैं कई खिलाडिय़ों, कोचों, क्रिकेट आयरलैंड और आयरलैंड टीम के समर्थकों से मैदान पर और बाहर मिले समर्थन के लिए बहुत आभारी हूं। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सही समय है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण टीम के लिए है। मैं इस टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना जारी रखूंगा और इसमें योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करूंगा, मुझे उम्मीद है कि अगले कई वर्षों में यह एक सफल अवधि होगी। धन्यवाद।

आयरलैंड मेन के मुख्य कोच हेनरिक मालन ने कहा, हम एंड्रयू के पद छोडऩे के फैसले का पूरी तरह से सम्मान करते हैं, मेरे लिए यह एक मार्मिक दिन है। एंड्रयू अपने कार्यकाल के दौरान असाधारण रूप से समर्पित कप्तान रहे हैं और मैंने कप्तान के रूप में उनके साथ मिलकर काम करने का भरपूर आनंद लिया है। मैं जानता हूं कि यह कोई ऐसा फैसला नहीं था जिसे उन्होंने हल्के में लिया है, बल्कि यह ऐसा फैसला है, जिसे उन्होंने टीम के लिए सबसे अच्छा माना था। टीम के एक वरिष्ठ सदस्य के रूप में, मैं भविष्य में भी उनके साथ काम करना जारी रखने के लिए उत्सुक हूं।

उन्होंने कहा, आगे कप्तानी के संदर्भ में, पॉल स्टर्लिंग सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के अंत तक अंतरिम आधार पर भूमिका निभाने के लिए सहमत हो गए हैं। स्टिरलो, टीम के मौजूदा उप–कप्तान के रूप में, ऐसे व्यक्ति हैं जिनके साथ मैंने भी निकटता से काम किया है और अगले कुछ महीनों में एक साथ योजना बनाने के लिए उत्सुक हूं।

भारतीय फुटबॉल टीम ने सैफ चैंपियनशिप का फाइनल किया अपने नाम

नईदिल्ली,भारतीय फुटबॉल टीम ने एक बार फिर से कमाल कर दिया है और इसके साथ ही 9वीं बार टीम ने सैफ चैंपियनशिप जीतने का कारनामा कर दिखाया है। सैफ चौंपियनशिप के फाइनल में भारतीय फुटबॉल टीम ने कुवैत को हरा दिया। इस मैच को टीम ने पेनल्टी शूटआउट में जीता है।

जानकारी के अनुसार इस जीत के साथ ही भारतीय फुटबॉल टीम ने ने नौवीं बार इस खिताब को अपने नाम कर लिया है।रिपोर्टस की माने तो भारत ने पेनल्टी शूटआउट में कुवैत को 5–4 से हराया। बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1–1 की बराबरी पर रहीं।

इसके बाद 30 मिनट के एक्स्ट्रा टाइम में भी कोई भी टीम दूसरा गोल नहीं कर सकी। ऐसे में मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट में हुआ। इस पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम ने कुवैत को 5–4 से रौंद दिया और सैफ चौंपियनशिप को नौंवी बार अपने नाम किया।

अजीत अगरकर बने टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर

नईदिल्ली,भारतीय टीम को उसका चीफ सेलेक्टर मिल गया है, पांच महीने से ये पद खाली चल रहा था। ऐसे में एशिया कप और वर्ल्ड कप से पहले बीसीसीआई ने विश्व कप विजेता इस खिलाड़ी को टीम इंडिया का चीफ सेलेक्टर नियुक्त कर दिया है। टीम इंडिया के नए चीफ सेलेक्टर जल्द ही अपना कार्यभार संभालेंगे। ऐसे में अब आपको बता रहे इस पूर्व खिलाड़ी के बारे में।

जी हां दिग्गज तेज गेंदबाज अजीत अगरकर को बीसीसीआई ने टीम का नया चयनकर्ता नियुक्त किया है। इस बात का ऐलान बीसीसीआई ने मंगलवार रात को एक ट्वीट के जरिए किया।

बता दें कि अगरकर मंगलवार को अशोक मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली क्रिकेट सलाहकार समिति के साथ वर्चुअल इंटरव्यू में शामिल हुए थे।रिपोर्टस की माने तो अगरकर कार्यभार संभालने के बाद वेस्टइंडीज दौरे के लिए टी20 टीम का चयन करने के लिए चयन समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी में अब अजीत अगरकर (अध्यक्ष), शिव सुंदर दास, सुब्रतो बनर्जी, सलिल अंकोला और श्रीधरन शरथ मौजूद हैं।

वेस्टइंडीज के बाद अब जिम्बाब्वे भी नहीं आएगी भारत में वर्ल्ड कप खेलने

नईदिल्ली, वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी इस बार भारत करने जा रहा है और 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक वर्ल्ड कप के सभी मैच भारत में ही खेले जाएंगे। इसके पहले जिम्बाब्वे में फिलहाल वर्ल्ड कप के क्वालीफायर मैच खेले जा रहे हैं। लेकिन अब इस टूर्नामेंट से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है और वो ये की वेस्टइंडीज के बाद अब एक और धाकड़ टीम वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है।अब तक ये टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने की बड़ी दावेदार मानी जा रही थी। लेकिन एक झटके में ही टीम का सपना टूट गया है। जी हां जिम्बाब्वे की टीम इस साल भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की रेस से बाहर हो गई है। जानकारी के अनुसार स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में जिम्बाब्वे को 31 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही जिम्बाब्वे का सफर क्वालीफायर मुकाबलों के लिए तो खत्म हुआ ही साथ ही वनडे वर्ल्ड कप खेलने का सपना भी टूट गया। इससे पहले स्कॉटलैंड ने वेस्टइंडीज को वर्ल्ड कप से बाहर कर बड़ा उलटफेर किया था।

फिल्मी सफर

फिल्म नीयत का ट्रेलर रिलीज, जासूस बन हत्या की गुत्थी सुलझाती दिखीं विद्या बालन

विद्या बालन की गिनती बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में होती है, जो अपने हर किरदार को जीवंत बना देती हैं। यही वजह है कि उनकी फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ समय से वह फिल्म नीयत को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इसका टीजर रिलीज हुआ था, जिसने इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी। अनु मेनन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।ट्रेलर के मुताबिक, फिल्म एक मर्डर मिस्ट्री है, जिसमें विद्या ने मीरा राव नाम की महिला का किरदार निभाया है, जो जासूस बनकर हत्या की गुत्थी सुलझाती दिख रही हैं। शक के दायरे में कई किरदार हैं। हालांकि, मीरा असली कातिल ढूंढ पाएंगी या नहीं, यह तो फिल्म की रिलीज के बाद पता चलेगा। इसमें विद्या का अवतार देखने लायक है। फिल्म में नीरज काबी, राम कपूर, शहाणा गोस्वामी, शशांक अरोड़ा, अमृता पुरी, मीता वशिष्ठ और प्राजक्ता कोली भी हैं। विद्या ने इस फिल्म का पोस्टर इंस्टाग्राम पर साझा कर लिखा था, मकसद सामने आ जाएगा। राज चौंका देगा। नीयत 7 जुलाई, 2023 को केवल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग मई, 2022 में ब्रिटेन में शुरू हुई थी। सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए विद्या ने लिखा था, अपने पसंदीदा लोगों में से कुछ के साथ हाल के दिनों में पढ़ी गई सबसे आकर्षक पटकथाओं में से एक की शूटिंग शुरू करने के लिए उत्साहित हूं।विद्या को आखिरी बार बड़े पर्दे पर नवंबर, 2017 में आई फिल्म तुम्हारी सुलु में देखा गया था। इसमें विद्या ने एक मध्यमवर्गीय परिवार में रहने वाली गृहिणी सुलोचना यानी सुलु का किरदार निभाया था, जिसे रेडियो शो सुनना पसंद है। इस फिल्म में विद्या ने एक बार फिर यह साबित कर दिया था कि वह अपने अभिनय के दम पर फिल्म चलाने का माद्दा रखती हैं।

ब्लैक आउटफिट में गजब की बला लग रहीं भूमि पेडनेकर, फैंस के दिलों की बढ़ी धडक़नें

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर आज बॉलीवुड इंडस्ट्री का एक जाना माना नाम हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर ग्लैमर का ऐसा तडक़ा लगाती हैं। जो अच्छे अच्छे के पसीने छुड़ा दे। वहीं, एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस बेताब हो रहे हैं। ब्लैक कलर की थाई हाई स्लिट आउटफिट में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर बेहद ही स्टाइलिश लग रही हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के दिलों को बेताब कर रही हैं। ओपन हेयर स्टाइल और हाई हील्स के साथ एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने बेहद ही कूल तस्वीरें क्लिक करवाई, जो फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। लेटेस्ट तस्वीरों पर एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर अपनी बैक फ्लॉन्ट कर रही हैं। वहीं, फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने बोल्ड मेकअप के साथ अपनी दिलकश अदाओं से फैंस पर कहर बरपा रही हैं।

इंडियन पुलिस फोर्स में मेरा रोल सरप्राइज पैकेज होगाः ईशा तलवार

जल्द ही रोहित शेट्टी की पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आने वाली एक्ट्रेस ईशा तलवार ने साझा किया है कि उनका किरदार एक सरप्राइज होगा। वेब सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी भी हैं।ईशा ने कहा, इंडियन पुलिस फोर्स' स्पेशल है।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं रोहित द्वारा बनाई गई कॉप स्टोरीज यूनिवर्स का हिस्सा बनूंगी, जिसके बारे में हर कोई बात करता है और हर कोई एक्टर इसमें शामिल होने की ख्वाहिश रखता है। यह काफी रोमांचकारी है, चूंकि शो उनके ओटीटी निर्देशन की शुरूआत है, मुझे खुशी है कि मैं उस यात्रा का हिस्सा हूं।

एक्ट्रेस ने कहा, मुझे अच्छा लगा कि रोहित सेट पर हीरो हैं! वह कम बोलने वाले व्यक्ति हैं। मैं कॉप यूनिवर्स का हिस्सा हूं लेकिन मेरा रोल एक तरह का सरप्राइज पैकेज होगा।

मैं हिंदी सिनेमा में पहली बार इस तरह के अवतार में नजर आऊंगी। सीरीज जल्द ही प्राइम वीडियो पर आएगी। ईशा का अपकमिंग प्रोजेक्ट मिजार्पुर 3' होगा, जिसमें वह एक राजनेता माधुरी यादव की भूमिका निभा रही हैं। सीजन 3 में वह मुन्ना भैया की पत्नी के रूप में नजर आएंगी।

बजाऊंगी नहीं, बजवाऊंगी सुष्मिता सेन की सीरीज ताली का शानदार मोशन पोस्टर आउट

सुष्मिता सेन अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ताली को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं. वे बहुत जल्द ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता गौरी सावंत का किरदार निभाती नजर आएंगी. दरअसल सुष्मिता ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ताली का मोशन पोस्टर शेयर किया है जिसमें उनका एक अलग और हटकर अवतार देखने को मिला है. सुष्मिता स्टारर उनकी ये वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज की जाएगी. पोस्टर में सुष्मिता माथे पर बड़ी लाल बिंदी लगाए दिख रही हैं. इस ट्रेलर में वे कहती सुनी जा सकती हैं, तू मुश्किल दे भगवान मैं आसान करूं, तू दे दे तपती रेत, मैं गुलिस्ता करूं, तू लाख गिरा दे बिजली मुझपे, मैं तो सतरंग बनूं...मैं ताली बजाती नहीं, बजवाती हूं. ताली का मोशन पोस्टर देखते ही फैंस की एक्साइटमेंट भी बढ़ गई है. लोग सुष्मिता को इस अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. एक फैन ने कमेंट किया– इस मास्टरपीस के लिए इंतजार नहीं कर सकता, लेडी बॉस... एक और फैन ने लिखा– यह थिएटर टैलेंट को रॉक करने वाला है, परफॉर्मेंस में खूबसूरती के साथ बिना किसी गलती के एक्टिंग के टैलेंट का मैच है... बता दें कि ताली गौरी सावंत की कहानी है, जिनका जन्म गणेश के तौर पर हुआ था. गौरी साल 2013 में राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) मामले में दायर की गई याचिका के याचिकाकर्ताओं में से एक थी.

शाहिद कपूर नहीं लेंगे राउडी राठौर 2 में अक्षय कुमार की जगह

शाहिद कपूर अपनी फिल्म ब्लडी डैडी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जिसने 9 जून को जियो सिनेमा पर दस्तक दे दी है। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शाहिद के अभिनय की भी तारीफ हो रही है। इस सबके बीच शाहिद ने राउडी राठौर के सीच्वल में अक्षय कुमार की जगह लेने की खबरों का खंडन किया है। पिछले काफी समय से सीच्वल में शाहिद का हिस्सा होने की बात कही जा रही थी।

साल 2012 में आई राउडी राठौर के सीच्वल की खबरें काफी समय से आ रही थीं और दर्शक भी यह जानने के लिए उत्सुक थे कि फिल्म का हिस्सा कौन होगा।

शाहिद ने राउठी राठौर 2 में अक्षय की जगह लेने की खबरों पर बात की और साफ कर दिया कि वह इसका हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा, इन बातों में सच्चाई नहीं है। मैं राउडी राठौर 2 नहीं कर रहा हूं। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि अक्षय और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत राउडी राठौर की शूटिंग इस साल मई में शुरू होगी और

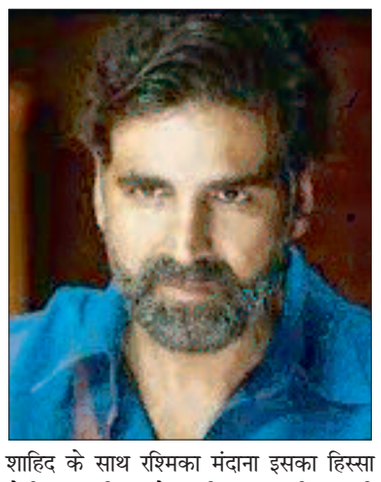

शाहिद के साथ रश्मिका मंदाना इसका हिस्सा होंगी। साथ ही प्रभु देवा की जगह अनीस बज्मी फिल्म का निर्देशन करेंगे और संजय लीली भंसाली निर्माता होंगे। इसी सिलसिले में बज्मी ने कहा था, अभी सितारों और फिल्म को लेकर बातचीत चल रही है। जब सही समय होगा, हम घोषणा करेंगे। राउडी राठौर साउथ के मशहूर अभिनेता रवि तेजा की 2006 में आई फिल्म विक्रमारकुडु का हिंदी रीमेक थी। विक्रमारकुडु का निर्देशन एसएस राजामौली ने किया था तो राउडी राठौर के निर्देशक प्रभु देवा थे। दोनों ही फिल्मों को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और बॉक्स ऑफिस पर भी इनका प्रदर्शन शानदार रहा था। ऐसे में दर्शक अब राउडी राठौर के सीच्वल के इंतजार में हैं। बता दें कि राउडी राठौर नेटफ्लिक्स पर देखने के लिए उपलब्ध है। शाहिद ने बातचीत के दौरान अपनी आगामी परियोजनाओं के बारे में ज्यादा कुछ तो नहीं बताया, लेकिन 5–6 साल बाद फिल्म में डांस करने की बात करते हुए खुशी जताई। अभिनेता ने कहा, मेरी अगली 3 फिल्मों में आपको डांस जरूर देखने को मिलेगा। मैं वास्तव में ऐसा करना चाहता हूं। इसके अलावा, शाहिद पहली बार कृति सैनन के साथ स्क्रीन साझा करने वाले हैं। दोनों दिनेश विजान की अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएंगे, जिसका पोस्टर जारी हो चुका है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com